RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः145, मंगलवार , 03 जून 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

विकसित कृषि संकल्प अभियान प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत बनाने की सशक्त कड़ी है ... 03

अरेराज में पॉलीथीन प्रतिबंध को लेकर नगर पंचायत की कार्रवाई, 7 ... 04

दिव्या खोसला की फिल्म सावी ने पूरे किए एक साल एक्ट्रेस ने किया... 07

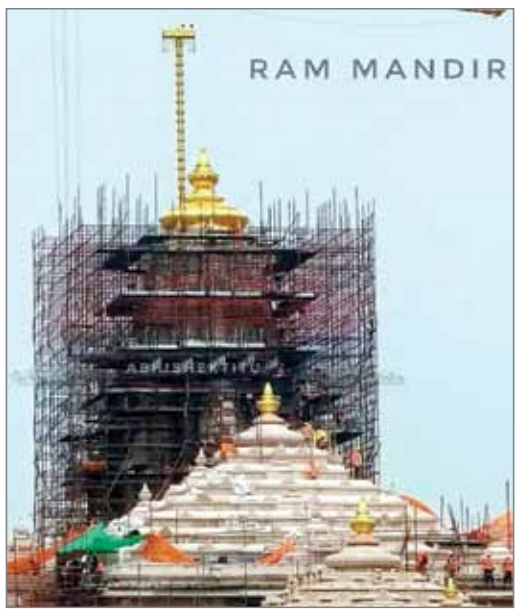

सोने से जगमगाया अयोध्या में राममंदिर का शिखर

● दूर से ही बिखेर रहा चमक, 5 जून को होगी राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में रामलला के मंदिर के शिखर पर स्वर्ण जड़ित कलश लगाया गया गया है। यह दूर से ही चमक बिखेर रहा है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रविवार को मंदिर के स्वर्ण जड़ित भव्य और चमकदार शिखर की तस्वीरें जारी की हैं। मंदिर में 5 जून को राम दरबार की स्थापना की जाएगी। इसके लिए अनुष्ठान 3 जून से प्रारंभ हो जाएंगे। अयोध्या राम मंदिर में 5 जून को राम दरबार सहित 7 मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। गंगा दशहरा पर सुबह 11 बजे के बाद स्थिर लग्न और अभिजीत मुहूर्त में पूजा शुरू होगी। प्राण प्रतिष्ठा में अयोध्या और काशी के 101 आचार्य शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सीएम योगी को ट्रस्ट की ओर से आमंत्रित किया गया है। योगी ने आमंत्रण स्वीकार कर लिया है। प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान कार्यक्रम 3 जून से शुरू होगा। इससे पहले 2 जून को महिलाओं द्वारा सरयू जल कलश यात्रा निकाली जाएगी। 3 जून की सुबह 6.30 बजे से सभी मंदिरों में विशेष पूजा-पाठ शुरू होगा, जो रात 9 बजे तक चलेगा। दोपहर में 1 घंटे का विश्राम होगा। इसी तरह 4 जून को भी विशेष पूजा-पाठ होगा। फिर 5 जून को सुबह 5.30 बजे पूजा शुरू होगी। प्राण प्रतिष्ठा 11 बजे के बाद की जाएगी। मंदिर के फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार की स्थापना हुई है, जबकि परकोटे में 6 मंदिरों में भगवान सूर्य, गणेश, हनुमान, शिव, माता भगवती और माता अन्नपूर्णा की मूर्तियां स्थापित की गई है।

7 मंदिर भक्तों के लिए कब खोले जाएंगे, अभी तय नहीं

प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा। फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार और परकोटे में 6 भगवान सूर्य, गणेश, हनुमान, शिव, माता भगवती और माता अन्नपूर्णा का मंदिर भक्तों के दर्शन के लिए किस दिन खोला जाएगा, इस पर अभी फैसला नहीं हो पाया है। मंदिर के पश्चिम हिस्से में लिफ्ट लगाई जा रही है। प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान में सीएम योगी और काशी-अयोध्या के 101 आचार्यों के अलावा 20 संत-धर्माचार्य, 15 गृहस्थ और ट्रस्ट के पदाधिकारी को भी आमंत्रित किया गया है। प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के दौरान ग्राउंड फ्लोर पर रामलला का दर्शन जारी रहेगा। राम दरबार की मूर्तियां मकराना के सफेद संगमरमर से बनी है। इसमें भगवान श्रीराम और सीता सिंहासन पर विराजमान हैं। भरत और हनुमानजी भगवान श्रीराम के चरणों के पास बैठे हैं। मूर्ति जयपुर में बनकर तैयार हुई है। सत्य नारायण पांडे, गोविंद, केशव, समेत 5 मूर्तिकारों ने बनाई है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार, प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अयोध्या में उत्साह का माहौल है। जगह-जगह सजावट, फूल-मालाएं, दीपों और झंडों से मंदिर परिसर को सजाया जा रहा है। श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ रही है। वहीं, सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है।

ऑपरेशन सिंदूर पर 'सीडीएस' के बयान ने दे दिया मौका

● कांग्रेस बोली-केंद्र संसद सत्र बुलाए, खड़गे ने कहा-मोदी खुद की तारीफ बंद करें

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस ने सैन्य और विदेश नीति पर चर्चा के लिए केंद्र सरकार से संसद का तत्काल विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान के सिंगापुर में दिए इंटरव्यू के बाद यह मांग की गई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा- सरकार सभी दलों और राष्ट्र को विश्वास में ले। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की रक्षा तैयारियों और रणनीति पर चर्चा करे। पीएम या रक्षा मंत्री को सर्वदलीय बैठक में विपक्षी नेताओं को यह बताना चाहिए था कि जनरल चौहान ने सिंगापुर में क्या कहा है। दरअसल, सीडीएस चौहान ने 31 मई को सिंगापुर में शांगरी-ला डायलॉग कार्यक्रम में ब्लूमबर्ग को इंटरव्यू में दिया। पाकिस्तान के भारतीय जेट को मार गिराने के दावों के सवाल पर उन्होंने कहा कि असली मुद्दा यह नहीं है कि कितने विमान गिरे, बल्कि यह है कि वे क्यों गिरे। वहीं, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को

नसीहत दी है। उन्होंने कहा- पीएम मोदी को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर खुद की तारीफ करने की जगह दुश्मन पर फोकस करना चाहिए। उनके अलावा कोई भी ऐसा नहीं कर सकता है। मैं उनके (पीएम मोदी) सभी बयानों पर प्रतिक्रिया देना पसंद नहीं करता, लेकिन मेरा उनसे केवल यही अनुरोध है कि सत्ता में बैठे लोगों को कभी-कभी अपना मुंह बंद रखना चाहिए। उन्हें खुद को चुनावों से अलग कर लेना चाहिए और देश पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। देश में जो कुछ भी हुआ, पीएम मोदी को उस समझना चाहिए और बोलना चाहिए। मैं बिना किसी राजनीतिक मतभेद के कह रहा हूं कि मोदी को खुद पर गर्व करने के बजाय दुश्मन पर फोकस करना चाहिए। उनके अलावा कोई और ऐसा नहीं कर सकता है। जब तक सेना है, हम सभी सुरक्षित हैं। इसलिए हम सेना का समर्थन करते हैं। कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने विचार-विमर्श के लिए विदेश यात्रा की है। उनको वापस आने दीजिए। जब तक वे वापस नहीं आते, तब तक इधर-उधर घूमना और भाषण देना सही नहीं है। जब पीएम मोदी ने कहा है कि उन्होंने सेना को पूरी शक्ति दी है, तो वे यह दावा क्यों कर रहे हैं कि उन्होंने ऐसा किया है। आत्म-प्रशंसा अच्छी नहीं है।

बारिश ने ढाया

'कहर', मिलिट्री कैंप पर गिरा पहाड़

● सिक्किम में 3 जवानों की हो गई मौत, 6 अब भी लापता ● पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश-बाढ़ से अब तक 37 की गई जान

इंफाल (एजेंसी)। सिक्किम में रविवार शाम 7 बजे एक मिलिट्री कैंप भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड की चपेट में आ गया। इसमें 3 जवानों की मौत हो गई, जिनके शव बरामद हुए हैं। चार लोगों को मलबे से जिंदा निकाला गया है। उन्हें मामूली चोटें आई हैं। छह जवान अभी लापता हैं। सर्च ऑपरेशन जारी है। सेना ने सोमवार को घटना की जानकारी दी और बताया कि जिन जवानों के शव मिले हैं, उनकी पहचान हवलदार लखबिंदर सिंह, लांस नायक मनीष ठाकुर और पोर्टर अभिषेक लखाड़ा के रूप में हुई है। दूसरी तरफ, सिक्किम के लाचेन और लाचुंग में 30 मई से फंसे एक हजार से ज्यादा टूरिस्टों को भी आज रेस्क्यू किया गया। सिक्किम सहित पूर्वोत्तर के राज्यों में पिछले 4 दिनों से भारी बारिश हो रही है। बारिश के कारण बाढ़ और लैंडस्लाइड की घटनाओं में अब तक 37 लोगों की जान गई है। इसमें असम में 10, अरुणाचल प्रदेश में 9, मिजोरम में 5 और मेघालय में 6 मौतें शामिल हैं। सिक्किम में अक्टूबर, 2023 को बादल फटने के बाद तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। कम से कम 98 लोग लापता हो गए थे, जिसमें सेना के 22 जवान शामिल थे। इनका कुछ पता नहीं

चल पाया था। पूर्वोत्तर राज्यों में राहत और बचाव के लिए भारतीय सेना, एयरफोर्स और असम रायफल्स के जवानों को तैनात किया गया है। असम में 3.64 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। ब्रह्मपुत्र और बराक समेत 10 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। मणिपुर में बाढ़ से 19,000 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। 3,365 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। त्रिपुरा में 10 हजार से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। मिजोरम की राजधानी आइजोल में भारी बारिश के कारण 2 जून को सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया गया है। 30 मई से अब तक राज्य में लैंडस्लाइड की 211 घटनाएं हुई हैं। इधर, राजस्थान के 30 जिलों और मध्य प्रदेश के 50 जिलों में बारिश का अलर्ट है। बिहार के वैशाली में रविवार शाम तेज आंधी-बारिश के कारण एक घर गिरने से 60 साल की महिला की मौत हो गई। राज्य के 9 जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी है। मध्य प्रदेश में मानसून की एंट्री 10 जून के बाद ही होगी। मौसम विभाग के मुताबिक, अभी मानसून महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में एक ही जगह पर ठहरा है। पिछले कुछ दिन से यह आगे नहीं बढ़ा है। इधर, मानसून के आने से पहले पूरे प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा। आज सोमवार को 50 जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी है। हिमाचल प्रदेश में बीते एक सप्ताह से बीच-बीच में हो रही बारिश से तापमान में कमी आई है। 4 जून तक मौसम खराब बना रहेगा।

आईपीएल फाइनल आज तीनों सेना प्रमुखों को न्योता

● क्लोजिंग सेरेमनी की थीम 'ऑपरेशन सिंदूर', शंकर महादेवन का लाइव कॉन्सर्ट होगा

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल का फाइनल मंगलवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। फाइनल की क्लोजिंग सेरेमनी की थीम 'ऑपरेशन सिंदूर' होगी। कार्यक्रम में तीनों सेनाओं के प्रमुखों को इनवाइट किया गया है। हालांकि, अब तक इनके ऑफिस से सेरेमनी शामिल होने की पुष्टि नहीं हुई है। पूरे स्टेडियम को तिरंगे रंग की लाइट से सजाया जाएगा और इस दौरान सिंगर शंकर महादेवन का लाइव कॉन्सर्ट होगा। बीसीसीआई सेक्रेटरी सचिव देवजीत सैकिया ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए हमने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह के साथ-साथ अन्य सेना प्रमुखों, अधिकारियों और जवानों को अहमदाबाद में आईपीएल फाइनल मैच देखने के लिए आमंत्रित किया है। सैकिया ने कहा- बीसीसीआई देश के सशस्त्र बलों की बहादुरी, साहस और निस्वार्थ सेवा को सलाम करता है।

बिहार में तीन चरणों में हो सकते हैं विधानसभा चुनाव

तारीखों में दीवाली-छठ त्योहार का रखा जाएगा ध्यान

2020 में 3 फेज में हुई थी वोटिंग,अबकी भी ऐसा ही

पटना (एजेंसी)। इस साल के आखिर में बिहार विधानसभा का चुनाव होना है। सूत्रों की माने तो बिहार में चुनाव 3 चरण में हो सकते हैं। माना जा रहा है कि वोटिंग की डेट में दीवाली और छठ पर्व का ध्यान रखा जाएगा। 2020 का विधानसभा चुनाव 3 फेज में हुआ था। चुनाव आयोग की टीम इसी महीने बिहार जाएगी। हालांकि, अभी तारीख अभी तय नहीं है। नीतिश कुमार का कार्यकाल 22 नवंबर 2025 तक है। ऐसे में संभावना है कि सितंबर से अक्टूबर के बीच आचार संहिता लग जाएगी। माना ये भी जा रहा है कि सितंबर के आखिरी हफ्ते से चुनाव की शुरुआत हो सकती है, जो पूरे अक्टूबर तक चलेगी। अक्टूबर में तीन बड़े त्योहार हैं, ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि चुनाव तीन चरणों में कराए जा सकते हैं। नवंबर के पहले हफ्ते में नतीजे आ सकते हैं। 2020 में बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे 10 नवंबर को घोषित किए गए थे।

देश में बढ़ रहा कोरोना, 24 घंटे में 6 की मौत

● 3976 ऐक्टिव केस ● अहमदाबाद में 18 साल की गर्भवती लड़की की गई जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐक्टिव केसों की संख्या 3976 पहुंच गई। स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट के मुताबिक 10 दिन में 15 गुना मामले बढ़े हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1435 केस हैं। महाराष्ट्र एक्टिव मामलों के मामले में दूसरे नंबर पर है। यहां 506 मरीज हैं। कोरोना से जान गंवाने वालों की संख्या 34 पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में 6 मौतें हुई हैं। सोमवार को अहमदाबाद में 18 साल की गर्भवती लड़की और 47 साल की महिला की कोरोना से जान गई। इससे पहले रविवार को दिल्ली में 22 साल की लड़की और तमिलनाडु में 25 साल के लड़के की कोरोना से मौत हुई थी। लगातार बढ़ते केसों के बीच कर्नाटक सरकार ने पब्लिक एडवाइजरी जारी की है। इसमें लोगों से भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क लगाने, शारीरिक दूरी बनाए रखने और स्वच्छता का खास ध्यान रखने की अपील की। बुखार, खांसी, सीने में दर्द या सांस लेने में दिक्कत होने पर तुरंत जांच कराने को कहा है। राज्य में 253 एक्टिव केस हैं। केंद्र सरकार ने कहा- कोरोना से निपटने के लिए तैयारियां पूरी केंद्रीय स्वास्थ्य और आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा- स्वास्थ्य विभाग और आयुष मंत्रालय पूरी तरह से सतर्क हैं।

10 राज्यों में अब तक 34 की मौत

मिजोरम में 7 महीने बाद कोविड का पहला केस मिला मिजोरम में 30 मई को 2 लोगों में कोविड-19 की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में इस तरह का आखिरी मामला सामने आने के 7 महीने बाद कोविड के केस मिले। मिजोरम में कोविड-19 का आखिरी मामला अक्टूबर 2024 में सामने आया था, उस दौरान राज्य में 73 लोग वायरस से संक्रमित हुए थे। उन्होंने बताया कि मरीजों का इलाज आइजोल के पास फल्कोन में जोरम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में चल रहा है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के इंटीग्रेटेड रोग निगरानी कार्यक्रम ने लोगों से न घबराने की बात कही है। विभाग ने लोगों से कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने, नियमित रूप से हाथ धोने, हैंड सैनिटाइजर का उपयोग करने और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में न जाने की सलाह दी है। महाराष्ट्र सरकार ने बताया कि 31 मई को कोविड के 68 नए मामले सामने आए।

यूक्रेन से मिले जख्मों को भूल पुतिन ने तुर्की भेजी अपनी टीम

● दुश्मन देश से शांति वार्ता के पीछे समझ नही आ रही रणनीति

इस्तांबुल (एजेंसी)। तीन साल से जारी जंग और रूस की धरती पर यूक्रेनी ड्रोन हमलों के बीच शांति की नई कोशिश को

एक नया मौका मिल रहा है। यूक्रेन और रूस के प्रतिनिधि सोमवार को इस्तांबुल में आमने-सामने बैठेंगे। यह बातचीत ऐसे समय पर हो रही है जब एक दिन पहले रूस के भीतर कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर अब तक के सबसे बड़े ड्रोन हमले किए गए हैं। कम से कम 40 रूसी विमानों को तबाह कर दिया गया। सिर्फ यूक्रेन ही नहीं, रूस ने भी यूक्रेन पर अपने अब तक के सबसे बड़े ड्रोन हमले किए हैं, जिनमें 340 से ज्यादा नागरिक मारे गए। ऐसे में शांति वार्ता का प्रस्ताव कितना ईमानदार है, इस पर सवाल उठ रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने घोषणा की कि उनका एक प्रतिनिधिमंडल इस्तांबुल जाएगा।

भारत में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की साजिश

● लश्कर और जैश ने बांग्लादेश में खोला मोर्चा, पाकिस्तान कर रहा फंडिंग

ढाका (एजेंसी)। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मोहम्मद ने बांग्लादेश में कट्टरपंथी समूहों के साथ हाथ मिला लिया है। ये दोनों आतंकवादी संगठनों का उद्देश्य बांग्लादेश की मदद से भारतीय युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की है। इससे उन्हें भारत में आतंकवाद का नया नेटवर्क खड़ा करने और स्लीपर सेल को बनाने में सहूलियतें मिल सकती हैं। ये दोनों आतंकवादी संगठन भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद बौखलाए हुए हैं और बदला लेने का मौका ढूंढ़ रहे हैं। ऐसे में उन्हें बांग्लादेश के कट्टरपंथियों के रूप में एक मुफीद साथी मिला है। भारत के बांग्लादेश के साथ संबंध सही नहीं हैं। ऐसे में पाकिस्तानी आतंकवादी इसी मौके का फायदा उठाने की

फिराक में हैं। सीएनएन-न्यूज18 ने खुफिया सूत्रों के हवाले से बताया कि हाल ही में लाहौर के कसूर में सैफुल्लाह कसूरी उर्फ खालिद का भाषण में बंगाल और 28 मई को क्षेत्र के विभाजन का संदर्भ दिया गया है। इस भाषण का इस्तेमाल कट्टरपंथी हलकों में दुष्प्रचार को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से किया जा रहा है। उसका यह भाषण कट्टरपंथी समूहों के बीच प्रसारित हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश स्थित समूह अब विश्वविद्यालयों में लश्कर और जैश को वैध पहुंच प्रदान कर रहे हैं, जहां वे कट्टरपंथी बनाने के लिए भारतीय छात्रों को निशाना बनाते हैं। ये भारत स्थित समूह जमात-ए-इस्लामी के साथ मिलकर सीमा पार वैचारिक नेटवर्क बना रहे हैं। बांग्लादेशी विश्वविद्यालयों का शोषण करने वाले लश्कर के तीन मुख्य स्तंभ हैं- स्थानीय कट्टरपंथियों के साथ वैचारिक गठबंधन, संस्थागत जुड़ाव और सीमा पार दंड से मुक्ति। आईएसआई द्वारा समर्थित, लश्कर वैचारिक नेटवर्क,संस्थागत कमजोरियों व सीमा पार परिचालन रसद को मिलाकर गतिविधियां चलाता है।

सद्गुरु की आवाज, चेहरा और पहनावा बेहद है खास

● दिल्ली हाईकोर्ट ने कई वेबसाइट्स को बंद करने का दे दिया आदेश ● बोला-उनकी इजाजत के बिना कोई इनका इस्तेमाल नहीं कर सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने सद्गुरु जग्गी वासुदेव के पक्ष में एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि कोई भी उनकी आवाज, चेहरा, पहनावा, बोलने का अंदाज या और किसी भी तरीके से उनकी पहचान को बिना इजाजत इस्तेमाल नहीं कर सकता खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए। दरअसल कुछ वेबसाइट और सोशल मीडिया अकाउंट्स एआई तकनीक के जरिए सद्गुरु की आवाज और वीडियो में बदलाव करके उन्हें अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर रहे थे। इसे लेकर सद्गुरु ने कोर्ट में याचिका दायर की कि उनकी पहचान का गलत तरीके से इस्तेमाल हो रहा है। कोर्ट ने कहा कि सद्गुरु की पहचान बिलकुल खास है और उसका दुरुपयोग न हो।

संक्षिप्त समाचार

बिहार का सबसे बड़ा सोलर बिजली घर इस साल चालू हो जाएगा

■ 185 मेगावाट का होगा उत्पादन

पटना, एजेंसी। बिहार का सबसे बड़ा सोलर बिजली घर इस साल चालू हो जाएगा। लखीसराय के कजरा में बन रहा सोलर बिजली घर का काम जोरों पर है। यहां से बिहार को 185 मेगावाट बिजली मिलेगी। बैट्री स्टोरेज बिजली घर होने के कारण कजरा की बिजली का उपयोग पीक आवर यानी शाम के सात बजे से रात के 11 बजे तक हो सकेगा। इससे पीक आवर में बिजली कंपनी को बाजार से बिजली लेने की जरूरत नहीं होगी। कंपनी अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार कजरा सौर परियोजना को इसी साल के दिसम्बर तक पूरा करने का लक्ष्य है। कंपनी के अधिकारी समय-समय पर इसकी समीक्षा कर निर्माण एजेंसी को इसे ससमय पूरा करने का लक्ष्य भी दे चुके हैं। कंपनी की कोशिश है कि यह तय समय के पहले ही पूरा हो। कंपनी ने कजरा सोलर परियोजना को बिहार की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना में शुमार किया है।

भागलपुर का विद्युत शवदाह गृह तीन दिनों में होगा चालू : डीएम

■ नगर निगम से लेकर बिजली विभाग के अधिकारियों को दिया निर्देश जल्द ही खराब ट्रांसफॉर्मर

भागलपुर, एजेंसी। शहर के एकमात्र बंद पड़े विद्युत शवदाह गृह का आखिरकार जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने संज्ञान लिया है। उन्होंने तत्काल प्रभाव से संबंधित विभागों को विद्युत शवदाह गृह के खराब ट्रांसफॉर्मर को बदलने का निर्देश दिया है और तीन दिनों के भीतर इसे पुनः चालू करने का आश्वासन दिया है। पिछले कुछ महीनों से विद्युत शवदाह गृह अपनी समस्याओं के कारण सुर्खियों में रहा है, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, 29 मार्च को पहले भट्ठी का क्वाइल जल गया था। एक सप्ताह के अथक प्रयासों के बाद निजी मिस्त्री की मदद से इसे ठीक करवाया गया। लेकिन, समस्या यहीं खत्म नहीं हुई। 4 मई को क्वाइल ठीक होने के बाद 6 मई तक भट्ठी के संचालन के दौरान फिर से तकनीकी समस्या उत्पन्न हुई। जांच करने पर पता चला कि इस बार विद्युत शवदाह गृह का ट्रांसफॉर्मर का क्वाइल खराब हो गया है। तब से ही विद्युत शवदाह गृह के ऑपरेटर कभी नगर निगम तो कभी बिजली विभाग के दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अब तक विद्युत शवदाह गृह को दोबारा चालू नहीं कराया जा सका था। इस वजह से शवों के अंतिम संस्कार में काफी दिक्कतें आ रही थीं और लोगों को पारंपरिक तरीकों का सहारा लेना पड़ रहा था। कुछ दिन पहले ही निगम योजना शाखा के प्रभारी आदित्य जायसवाल ने बिजली विभाग को एक आधिकारिक चिट्ठी लिखकर ट्रांसफॉर्मर को ठीक कराने का एस्टीमेट मांगा था। हालांकि, बिजली विभाग की उदासीनता के चलते अब तक यह एस्टीमेट उपलब्ध नहीं कराया गया था, जिससे मरम्मत कार्य में और देरी हो रही थी। जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने कहा कि समाचार के माध्यम से विद्युत शवदाह गृह के बंद रहने की जानकारी प्राप्त हुई है। जिसे जल्द से जल्द ठीक कराने का निर्देश दिया गया है। तीन दिनों में विद्युत शवदाह गृह को फिर से चालू करा उसे आमलोगों की सुविधा के लिए सुपुर्द किया जायेगा। जिलाधिकारी के इस निर्देश के बाद उम्मीद है कि अब विद्युत शवदाह गृह की समस्या का जल्द समाधान होगा और शहरवासियों को अंतिम संस्कार के लिए इस महत्वपूर्ण सुविधा का लाभ पुनः मिल पाएगा।

14 साल की लड़की से गैंगरेप हिरासत में 3 आरोपी

पिता बोले- चार युवक बेटी को जबरन उठा कर ले गए, मुझे इंसाफ चाहिए

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में नाबालिग लड़की (14) से रेप का मामला सामने आया है। पड़ोस में रहने वाले 4 युवकों पर गैंपरेप का आरोप है। पुलिस ने 3 आरोपियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। मामला बिरौल थाना क्षेत्र के एक गांव का है। 30 मई को लड़की के पिता ने थाने में आवेदन दिया था। उन्होंने बताया कि 29 मई की रात 10 बजे बेटी उन्हें बुलाने जा रही थी। इस दौरान गांव के 3 युवकों ने उसे जबरन पकड़ लिया। गाछी की ओर ले जाकर गैंगरेप किया। सभी आरोपी पड़ोसी है। मैंने रात में लड़की को चाय बनाने के लिए कहा था। गर्मी का टाइम था। हमारे घर में पंखा नहीं है। ये बात गांव समाज में सभी को पता है। मैं घर से बाहर था। वो मुझे बुलाने आ रही थी। इस बीच उसे उठा लिया। मुझे इंसाफ चाहिए। घटना के बाद लड़की आरोपियों के घर पहुंची। वहां शोर मचाया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे सुरक्षित घर लाया गया। गांव के ही तीन युवकों ने मिलकर गैंगरेप किया। समाज और प्रशासन से न्याय की उम्मीद है।

लड़के की भाभी ने फंसाने का लगाया आरोप

एक आरोपी की भाभी ने बताया कि लड़की खुद उनके घर आई थी। उसका देवर छत पर सो रहा था। हम भी वहीं पर थे। लड़की ने शादी का दबाव बनाया। देवर ने मना किया। कहा कि धर्म और समुदाय अलग है, शादी नहीं कर सकते। लड़की नहीं मानी। लड़की मुझसे बोली कि आप भी लव मैरिज किए हैं, मैं भी करूंगी। वो छत पर ही रही। इस बीच मैंने आसपास के लोगों को बुला लिया। लड़की ने सबके सामने कहा कि उसका रेप हुआ है। समाज के लोगों ने कहा कि मेडिकल जांच होगी। उसे घर भेजा गया। फिर वह वापस आई। महिला ने आरोप लगाया कि लड़की ने साजिश के तहत फंसाया। यह प्रेम प्रसंग का मामला है। हो सकता है कि लड़की कई लड़कों से बात करती होगी।

मेडिकल रिपोर्ट का पुलिस को इंतजार

थानाध्यक्ष विशाल कुमार सिंह ने बताया कि लड़की का मेडिकल चेकअप कराया गया है। रविवार होने के कारण 164 का बयान नहीं हो सका। मेडिकल रिपोर्ट अभी नहीं आई है। अब तक कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिला है। प्रथम दृष्टि में प्रेम प्रसंग की बात सामने आई है। एफएसएल की टीम को आज बुलाया गया था। वह साक्ष्य कलेक्ट करके ले गई है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बगहा-वाल्मीकिनगर मार्ग पर पेड़ से टकराई कार : एक परिवार के 6 लोग घायल

बगहा, एजेंसी। बगहा-वाल्मीकिनगर मुख्य मार्ग पर हरदिया चाती के पास कार हादसे में एक परिवार के छह लोग घायल हो गए। वाल्मीकिनगर से बगहा लौट रही अल्टो कार बेकाबू होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। सूचना पर पहुंची 112 की टीम ने क्षतिग्रस्त वाहन को तोड़कर घायलों को बाहर निकाला। बगहा के कैलाश नगर का यह परिवार रविवार को वाल्मीकिनगर घूमने गया था। सोमवार सुबह वापस घर लौटने के दौरान हादसे का शिकार हो गए।

पिता-बेटे की हालत गंभीर

घायलों में नौशाद अंसारी, मेहरू नेशा, शाहजहां खातून, शबरून नेशा, नसीबा खातून और दो वर्षीय रेहान अंसारी शामिल हैं। नौशाद और उनके बेटे रेहान को गंभीर चोटें आई हैं। दोनों को गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। नौशाद की पत्नी सबनुम नेशा का इलाज बगहा अनुमंडलीय अस्पताल में चल रहा है। डॉ. एस.पी. अग्रवाल ने बताया कि दो लोगों की स्थिति चिंताजनक है, जबकि अन्य स्थिर हैं।

2 दिन पहले एक की मौत

दरअसल, दो दिन पहले भी इसी मार्ग पर ट्रैक्टर दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि बगहा-वाल्मीकिनगर के बीच जंगल क्षेत्र में सड़क घुमावदार होने से अक्सर हादसे होते हैं। लोग प्रशासन से चेतावनी संकेत और सुरक्षा उपाय लगाने की मांग कर रहे हैं।

नेपाल से आ रहा 124 किलो गांजा बरामद : मोतिहारी पुलिस ने स्कॉर्पियो को पकड़ा, 2 तस्कर गिरफ्तार

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी पुलिस ने नेपाल से आ रहे मादक पदार्थों की तस्करी का भंडाफोड़ किया है।

उत्पाद थाना और चिरैया थाना की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की। पुलिस ने एक स्कॉर्पियो से 124 किलो गांजा बरामद किया। जिसकी कीमत 40 लाख के करीब बताई जा रही है। एसपी स्वर्ण प्रभात को सूचना मिली थी कि नेपाल से मादक पदार्थों की खेप मोतिहारी के रास्ते अन्य राज्यों में भेजी जा रही है। एसपी ने उत्पाद विभाग और चिरैया थानाध्यक्ष महेंद्र कुमार को संयुक्त छापेमारी का निर्देश दिया।

घेराबंदी कर स्कॉर्पियो की ली तलाशी

पुलिस टीम ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया। एक स्कॉर्पियो वाहन को रोकने की कोशिश की गई। चालक पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर वाहन को पकड़ लिया। स्कॉर्पियो की तलाशी में 124 किलोग्राम गांजा मिला। पुलिस ने छोड़ादानों थाना क्षेत्र के पन्नालाल कुमार और संग्रामपुर थाना क्षेत्र के राजेश कुमार को गिरफ्तार किया है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि गिरोह के मास्टरमाइंड संजय यादव और मुकेश यादव की पहचान हो गई है। उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस जल्द ही पूरे नेटवर्क को पकड़ने का दावा कर रही है।

कम वोटिंग वाले बूथों चिन्हित कर योजना होगी तैयार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। जिले के कम वोटिंग वाले बूथों की पहचान कर वहां कम मतदान के कारणों का पता लगाकर वर्क प्लान तैयार किया जाएगा। फिर प्लान के अनुसार मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह निर्देश रविवार को निर्वाचन विभाग के अपर सचिव सह अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी माधव कुमार सिंह ने दिया। अपर सचिव ने आगामी चुनाव को लेकर विधि व्यवस्था, स्वीप, ईवीएम एवं मीडिया कोषांग के नोडल पदाधिकारी के साथ जिला अतिथि गृह में बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को आयोग के दिशा निर्देश के अनुरूप काम करने को कहा। स्वीप के नोडल पदाधिकारी ममता वर्मा को जिले में वोट प्रतिशत बढ़ाने को लेकर मिशन मोड में कार्य करने और स्वीप कैलेंडर के अनुरूप संपूर्ण गतिविधियां तय समय पर करने को कहा।

अंतरजिला लूट गिरोह के 2 सदस्य गिरफ्तार, 2 फरार

शेखपुरा, एजेंसी। शेखपुरा पुलिस ने अंतरजिला लूट गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने 19 मई की रात शेखपुरा-महुली मुख्य सड़क मार्ग पर एक कारपेंटर से लूटपाट की थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जमुई के मोहनपुर गांव निवासी मो. हसनैन और महुली थाना क्षेत्र के अफरडीह गांव निवासी रंजन यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से लूटा गया मोबाइल बरामद कर लिया है। अरियरी थाना अध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़ित छोटू कुमार नगर थाना क्षेत्र के करिहो गांव का रहने वाला है। वह जमुई के कौवाकोल से अपने भाई के ससुराल से बाइक पर घर लौट रहा था। इसी दौरान दो बाइक पर सवार चार हथियारबंद अपराधियों ने उसे रोका।

फरार 2 आरोपियों की तलाश जारी : अपराधियों ने छोटू कुमार की पिटाई की। उसकी बाइक, नकदी और मोबाइल लूट लिया। पीड़ित की शिकायत पर थाने में चार अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने लूटे गए मोबाइल की टावर लोकेशन के आधार पर छापेमारी कर आरोपियों को पकड़ा। घटना में शामिल दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। उनके पास लूटी गई बाइक भी है।

आरा में इंजीनियरिंग के छात्र की मौत : ट्रेन से नीचे गिरने से हुआ हादसा

भोजपुर, एजेंसी। दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर ट्रेन से नीचे गिरने से इंजीनियरिंग के छात्र की मौत हो गई। भोपाल से छुट्टी पर घर लौट रहा था। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को शव सौंप दिया गया है। मृतक शिवम कुमार(28) मोतिहारी के हसनपुर गांव का रहने वाला था। मध्य प्रदेश के भोपाल से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था। घटना आरा और करीसाथ स्टेशन के बीच की है।

परिजनों के बीच मचा कोहराम

मृतक के मामा धीरज कुमार ने बताया, कॉलेज में छुट्टी होने की वजह से मेरा भांजा घर लौट रहा था। भोपाल से शुक्रवार को चला था। शनिवार को घर पहुंचना था, लेकिन वो नहीं आया। अपने स्तर से खोजबीन शुरू किया। कहीं कुछ पता नहीं चला। इसके बाद रेलवे के टोल फ्री नंबर 139 पर कॉल किया। जिसके बाद हादसे की जानकारी मिली। सूचना मिलने के बाद परिजन आरा स्टेशन पहुंचे। शिवम घर का इकलौता बेटा था। परिवार में मां बिंदु देवी और बहन काजल कुमारी है। मौत की खबर सुनते ही घर में कोहराम मच गया। सभी को रो-रोकर बुरा हाल है।

बाढ़-सुखाड़ की तैयारी अभी से करें, श्रावणी मेला में पहले से बेहतर सुविधाएं हो : डिप्टी सीएम

डीएम ने आपदा, श्रावणी मेल, विधि व्यवस्था सहित विभिन्न योजनाओं की पीपीटी पर दी जानकारी

भागलपुर, एजेंसी। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में रविवार को समाहरणालय के समीक्षा भवन में आपदा, विधि व्यवस्था और श्रावणी मेला 2025 के पूर्व तैयारी की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। इसमें जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने तमाम तैयारियों के बारे में बिंदुवार अवगत कराया। बैठक में डिप्टी सीएम ने कहा कि बाढ़-सुखाड़ के लिए अभी से तमाम तैयारी करें और श्रावणी मेला-2025 की तैयारी में कोई कसर नहीं होनी चाहिए। डिप्टी सीएम ने कहा कि पिछली बार जो व्यवस्था की गई थी उससे भी बेहतर काम करना है। श्रावणी मेला में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए योजनाओं को धरातल पर उतारें। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बाढ़-सुखाड़ (आपदा) से संबंधित तैयारी, श्रावणी मेला 2025 की तैयारी के अलावा विधि व्यवस्था, ईएसआईसी अस्पताल की जमीन, पर्यटन सुविधा विस्तार के लिए रेलवे की जमीन का हस्तांतरण, विक्रमशिला में केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पीरपैंती पावर प्लांट की जमीन और गंगा पर रेल ब्रिज से संबंधित भू-अर्जन की स्थिति के बारे में भी जानकारी दी गई। तमाम विषयों पर पीपीटी के माध्यम से प्रगति बतायी गई। उपमुख्यमंत्री ने क्षतिग्रस्त बांधों को बाढ़ से पहले दुरुस्त करने का निर्देश दिया। उप मुख्यमंत्री ने बीते वर्ष की तुलना में इस वर्ष अधिक कार्य कराने और मेला को सुसज्जित करने, कांवरियों की सुविधा को बढ़ाने का निर्देश दिया। मुंगेर-मिर्जाचौकी पथ की समीक्षा के क्रम में उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि जनता की सुविधा को देखते हुए हर हाल में सितंबर माह से पूर्व पथ को तैयार कर लिया जाए। बैठक में विधायक पवन कुमार यादव, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदय कांत और उप विकास आयुक्त प्रदीप कुमार सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी नवगछिया ऋतुराज प्रतापसिंह, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन कुंदन कुमार सहित सभी संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। सुल्तानगंज जहाज घाट पर रेलवे की जमीन के उपयोग के लिए किया है पत्राचार जिलाधिकारी ने बताया कि श्रावणी मेला में बीते साल आने वाले शिव भक्तों की संख्या 2 करोड़ 11 लाख थी। श्रद्धालुओं के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे। इस बार श्रावणी मेला 11 जुलाई से 9 अगस्त 2025 तक किया जाना है, जिसकी पूर्व तैयारी के लिए जिला स्तरीय बैठक की जा चुकी है। सुल्तानगंज जहाज घाट के निकट रेलवे की 7 एकड़ भूमि पर पर्यटन की दृष्टिकोण से सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। राजस्व और भूमि सुधार विभाग के माध्यम से यहां रेलवे की अनुपयोगी भूमि श्रावणी मेला अवधि में जनहित में उपयोग के लिए पत्राचार किया गया है। रेल पुल के लिए भू अर्जन के अभिलेखों की प्रारंभिक जांच हो रही बैठक में डीएम ने बताया कि विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए कहलगांव अंचल के अंतीचक में 117 एकड़ और मलकपुर में 98 एकड़ कुल 215 एकड़ भूमि अर्जन की प्रक्रिया प्रारंभ करने का निर्देश मिला है। राज्य कर्मचारी बीमा निगम अस्पताल की स्थापना के लिए सबौर आंचल में बिहार सरकार की भूमि का सशुल्क हस्तांतरण के प्रस्ताव की स्वीकृति के लिए आयुक्त को प्रस्ताव दिया गया है। पीरपैंती में बनने वाले पावर प्लांट की जमीन के जमीन अधिग्रहण प्रक्रियाधीन है। गंगा में रेलवे ब्रिज के लिए भू अर्जन से संबंधित अभिलेखों की प्रारंभिक जांच की जा रही है। इसी साल पीरपैंती थर्मल प्लांट और विक्रमशिला में केन्द्रीय विवि के शिलान्यास का लक्ष्य बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने बताया कि भागलपुर में श्रावणी मेला को लेकर विशेष तैयारी हर साल की जाती है। बैठक के दौरान इसपर विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी। श्रावणी मेला के दौरान और किस तरह की विश्वस्तरीय इंतजाम और तैयारी की जाय इसको लेकर अधिकारियों को विशेष दिशा निर्देश दिए गए हैं। बाढ़ की स्थिति में व्यापक नुकसान को कैसे रोका जाय या कम किया जाय इस पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी।

ट्रेन में चढ़ने के दौरान गिरी महिला कांस्टेबल : आरा में आरपीएफ ने बचाई जान

आरा, भोजपुर, एजेंसी। आरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर आरपीएफ की सूझबूझ से महिला कांस्टेबल की जान बच गई। ब्रह्मपुत्र मेल(15658) में चढ़ने के दौरान बैलेंस बिगड़ने से महिला का पैर फिसल गया। ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच बने गैप में गिरने लगी। इस दौरान मौके पर मौजूद आरपीएफ कर्मी ने उन्हें पीछे खींच लिया। ये पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी में कैद हो गया।

आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक कुमार ने बताया कि रविवार को ब्रह्मपुत्र मेल के आने के बाद काफी भीड़ भी हो गई थी। ट्रेन खुलने के बाद महिला यात्री स्लीपर बोगी में चढ़ने का प्रयास कर रही थी। इसी बीच उसका पैर फिसल गया। प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच गैप में जाने लगी। ड्यूटी पर मौजूद जवान ने महिला के हाथ को पकड़ कर अपनी ओर खींचा। मौत के मुंह से उसे बाहर निकाला। पूरी तरह से सुरक्षित है, किसी प्रकार की चोट नहीं आई है। बाद में दूसरे ट्रेन में बिठाकर भेजा गया। दीपक कुमार ने आगे बताया कि यात्रियों की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है। आरा प्लेटफार्म नंबर दो पर यात्रियों की काफी भीड़ थी। इसको लेकर हमारे जवान प्लेटफॉर्म पर तैनात थे। जो यात्री चलती ट्रेन पर चढ़ने का प्रयास करते है, उन्हें रोका जाता है। ट्रेन में चढ़ने के दौरान यात्रियों से सावधानी बरतने की अपील की है।

दो दिन में पटना जू के दो जानवरों की मौत

शनिवार को गौर की थिलेरियोसिस से गई जान, रविवार को हार्ट अटैक से हथिनी ने तोड़ा दम

पटना, एजेंसी। पटना जू में 55 साल की हथिनी माला की रविवार को मौत हो गई है। वह पिछले कई महीनों से गंभीर रूप से बीमार चल रही थी। पिछले कुछ समय से उसने खाना भी छोड़ दिया था। उसके पैरों में घाव, नाखून उखड़ना और चलने-फिरने में असमर्थता जैसी समस्याएं सामने आ रही थीं। जू निदेशक हेमंत पाटिल के अनुसार, प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में माला की मौत का कारण कार्डियक रेस्पिरेटरी फेलियर बताया गया है। इससे पहले शनिवार को संक्रमण से मादा गौर की मृत्यु हो गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार थिलेरियोसिस संक्रमण के कारण गौर की मौत हुई है। संक्रमण का इलाज 20 दिनों से चल रहा था।

जांच के लिए बरेली भेजा गया सैंपल : हालांकि, मौत के सटीक कारणों की विस्तृत जांच के लिए माला के विसरा सैंपल को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरेली भेजा गया है। माला के इलाज के लिए देश के टॉप हाथी विशेषज्ञों की मदद ली जा रही थी। चिड़ियाघर आने वाले लोग 2003 तक हाथी सवारी किया करते थे। माला शांत स्वभाव की थी। इसपर सवारी करना लोग पसंद करते थे। बिना भय के लोगों को लेकर चिड़ियाघर भ्रमण किया करती थी। हाथी सवारी बंद होने के बाद उसे सोमवार को सप्ताहिक बंदी के दिन चिड़ियाघर में भ्रमण कराया जाता था।

7 साल की उम्र में आई थी पटना जू : माला को साल 1975 में मात्र 7 साल की उम्र में रेस्क्यू कर पटना लाया गया था। उसके बाद से वह पटना जू का एक हिस्सा बन गई। ठंड में उसे तेल मालिश दी जाती थी और गर्मियों में उसके लिए खास फव्वारे लगाए जाते थे। हाथी दिवस और अन्य विशेष अवसरों पर माला का खास स्वागत किया जाता था। अभी एक ही हथिनी पटना जू में मौजूद है, जिसका नाम लक्ष्मी है। वह 12 साल की उम्र में पटना जू आई थी।

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक्टर से कुचलकर बाईक सवार की मौत

बीएनएम। नालंदा। नालंदा जिले के इस्लामपुर-घोसी मुख्य सड़क मार्ग पर खेदन विगहा गांव के समीप सोमवार को एक अनियंत्रित ट्रैक्टर ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान जहानाबाद जिले के हुलासगंज थाना क्षेत्र स्थित सुकियावां गांव निवासी स्वर्गीय रामवृक्ष बिंद के 53 वर्षीय पुत्र विरेंद्र कुमार के रूप में हुई है।घटना की सूचना मिलते ही इस्लामपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु बिहारशरीफ भेज दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विरेंद्र कुमार बाइक से इस्लामपुर से अपने गांव सुकियावां लौट रहे थे। इसी दौरान खेदन विगहा गांव के पास एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने घटना पर दुख जताते हुए प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है। वहीं पुलिस ट्रैक्टर चालक की पहचान व गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी हैं

बागीचे में युवक की मिली लाश, छानबीन में जुटी पुलिस

बीएनएम। भागलपुर। जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरैनी रेलवे स्टेशन के समीप एक आम के बाग़ीचे से सोमवार को एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान मोहम्मद फारुख के रूप में हुई है। लह बारहपुरा छोटी लाइन के पास का रहने वाला था। वह पुरैनी कर्बला स्थित अपने ससुराल भी अक्सर आया-जाया करता था। स्थानीय लोगों के मुताबिक, बाग़ीचे में एक व्यक्ति को अचेत अवस्था में देखा पहले तो लगा कि वह नशे की हालत में आराम कर रहा है। लेकिन पास जाकर देखने पर पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। इस घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत जगदीशपुर थाना को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अभय शंकर पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर तफ्तीश शुरू कर दी। साथ ही एफएसएल की टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जो अब शव और स्थल की वैज्ञानिक जांच में जुटी है।

अशोक कुमार राकेश पुनः चुने गए राजद प्रखंड अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

बीएनएम। भागलपुर। जिले के नाथनगर प्रखंड अंतर्गत राजद प्रखंड अध्यक्ष का चुनाव सोमवार को शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। सर्वसम्मति से अशोक कुमार राकेश को एक बार फिर प्रखंड अध्यक्ष के पद के लिए चुना गया। इसके उपरांत कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूलों की माला पहनाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के लिए निर्वाचन पदाधिकारी की भी नियुक्ति की गई थी। बैठक के दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने सर्वसम्मति से अशोक कुमार राकेश को पुनः प्रखंड अध्यक्ष पद के लिए मनोनीत किया। इस अवसर पर संगठन के जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक के पदाधिकारी एवं दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यकर्ताओं ने कहा कि अशोक कुमार राकेश के नेतृत्व और कार्यशैली से सभी संतुष्ट हैं तो उन्होंने बताया कि अशोक कुमार राकेश ने अपने पहले कार्यकाल में संगठन को मजबूत करने का कार्य किया और जिसके चलते उन्हें दोबारा अध्यक्ष पद के लिए चुना गया। महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष रानी देवी ने भी अशोक कुमार राकेश के पुनः चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, हम सभी कार्यकर्ता उनके कार्यों से पूरी तरह संतुष्ट हैं। अशोक कुमार राकेश ने कहा, कार्यकर्ताओं ने मेरे कार्यों को देखते हुए मुझ पर दोबारा भरोसा जताया है और हम पूरी कोशिश करेंगे कि आगे भी यह सीट राजद के पास बनी रहे। इस अवसर पर राजद के कई वरिष्ठ कार्यकर्ता भी उपस्थित थे और उन्होंने राकेश यादव के पुनः अध्यक्ष बनने पर खुशी जताई।

विश्व साइकिल दिवस पर मतदाता जागरूकता साइकिल रैली का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर दिनांक 3 जून 2025 को पूर्वी चंपारण जिला प्रशासन के द्वारा मतदाता जागरूकता हेतु एक साइकिल रैली का आयोजन किया जाएगा। यह रैली समाहरणालय, मोतिहारी से प्रारंभ होकर ऐतिहासिक चरखा पार्क तक जाएगी। इस रैली को सुबह 07:00 बजे जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी सौरभ जोरवाल हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। रैली में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कर्मचारी, तथा आम नागरिक भाग लेंगे। इस आयोजन का उद्देश्य मतदाताओं में जागरूकता फैलाना एवं लोकतंत्र में उनकी भागीदारी को सशक्त बनाना है।

4 जून को मनाया जाएगा मतदाता संवाद दिवस-उप निर्वाचन पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी ने जानकारी दी कि 4 जून 2025 को शिक्षा विभाग के तत्वावधान में "मतदाता संवाद दिवस" का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का संचालन जिला शिक्षा पदाधिकारी के स्तर से किया जाएगा, जिसमें मतदान की महत्ता तथा पर्यावरण जैसे विषयों पर परिचर्चा आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर युवाओं को मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी और पहली बार के मतदाताओं को शपथ दिलाई जाएगी। इसके साथ ही भारत निर्वाचन आयोग के विभिन्न मोबाइल ऐप्स की जानकारी भी साझा की जाएगी।

5 जून को 'हरियाली का वादा - लोकतंत्र का इरादा' अभियान-विश्व पर्यावरण दिवस, 5 जून 2025 को, "हरियाली का वादा - लोकतंत्र का इरादा" अभियान के तहत जिला निर्वाचन पदाधिकारी सौरभ जोरवाल द्वारा मतदाता जागरूकता मार्च को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। इस अवसर पर "एक वोट - एक पौधा" अभियान की शुरुआत की जाएगी, जिसमें नव मतदाता एक-एक पौधा लगाकर लोकतंत्र व पर्यावरण संरक्षण दोनों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को निभाएंगे।

एमएमडीपी किट उपयोग से फाइलेरिया मरीजों को मिलती है राहत

स्वास्थ्य कर्मियों ने हाथी पाँव मरीजों क़ो बताए किट उपयोग करने के तरीके

बीएनएम। मोतिहारी

फाइलेरिया (हाथी पाँव) के मरीजों के बीच प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मधुबनी घाट में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत एमएमडीपी किट का वितरण किया गया। डॉ. सरिता कुमारी, वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल पदाधिकारी अभिषेक कुमार एवं भीडीसीओ राकेश कुमार के द्वारा 70 फाइलेरिया रोगी की जांच की गईं। उन्हें व्यायाम के तरीके के साथ लोगों क़ो जागरूक करने की बातें बताई गईं। वहीं पिरामल के प्रतिनिधि धीरेंद्र कुमार एवं सुमित कुमार, पप्पू कुमार ने दवा, मरहम पट्टी, किट उपयोग की जानकारी दी साथ ही लोगों क़ो इसके वाहक क्यूलेक्स मच्छड़ से बचाव के तरीके बताए। वहीं मौके पर मरीजों ने कहा की क्रीम, साबुन के साथ किट में मौजूद खास चप्पल से काफ़ी लाभ मिलता है जिससे चलने में काफ़ी आराम मिलता है। पप्पू कुमार ने फाइलेरिया रोगियों क़ो व्यायाम के साथ दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाने के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी।

फाइलेरिया के मच्छर से बचाव के उपाए-इस रोग से बचने के लिए घर के आस-पास सफाई रखना जरूरी है। दूषित पानी में केरोसीन तेल छिड़क कर मच्छरों को पनपने से रोकें। उनके अनुसार सोने के समय मच्छरदानी का उपयोग करें। मौके पर फैसिलेटर रंजू कुमारी, आशा एवं जीविका के सदस्य, शशि, विनोद राम एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थें।

प्रेमी संग भागी युवती लौकरिया में मिली, परिजनों ने अपहरण का मामला कराया है दर्ज

बीएनएम। हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के लौकरिया गांव से रविवार रात पुलिस ने एक युवती को बरामद किया। युवती की पहचान परमेश्वर राउत की 20 वर्षीय पुत्री वर्षा रानी के रूप में हुई। परमेश्वर राउत ने एक माह पहले हरसिद्धि थाने में आवेदन देकर अपनी बेटी के अपहरण का आरोप लगाया था। उन्होंने बताया था कि वह हरिहरपुर थाना क्षेत्र के सोनवर्षा, सीतामढ़ी के निवासी हैं। उनकी बेटी वर्षा एक माह पहले अपने ननिहाल लौकरिया आई थी। कुछ दिन रहने के बाद लालाबाबू चौहान का पुत्र नीरज कुमार उसे लेकर भाग गया। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन वर्षा नहीं मिली। इसके बाद परमेश्वर राउत ने थाने में नीरज चौहान, लालाबाबू चौहान, रंजय चौहान और एक महिला के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने दबिश देकर नीरज और उसके परिवार पर लड़की को वापस लाने का दबाव बनाया। दबाव के चलते नीरज वर्षा को लौकरिया गांव में छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने वर्षा को बरामद कर थाने लाया। पूछताछ में वर्षा ने बताया कि उसका अपहरण नहीं हुआ था। वह अपनी मर्जी से नीरज के साथ भागी थी और दोनों ने शादी कर ली है। वर्षा ने कहा कि वह नीरज के साथ ही रहना चाहती है। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि मामला प्रथम दृष्टया प्रेम प्रसंग का लग रहा है। अपहृता को बयान के लिए सोमवार को दरोगा विभा भारती के साथ कोर्ट भेजा गया। विभा भारती इस केस की अनुसंधानकर्ता हैं।

पन्द्रह हजार का इनामी शराब धंधेबाज गिरफ्तार

» कई थानों में दर्ज है एक दर्जन से अधिक मामले

बीएनएम। मोतिहारी

पूर्वी चंपारण । जिला के कोटवा थाना क्षेत्र के महारानी बैरिया गांव का 15 हजार के इनामी शराब कारोबारी संजय यादव उम्र 45 वर्ष , पिता अम्बिका यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। उक्त अपराधी के विरुद्ध एसपी ने इनाम की घोषणा की थी। उसके विरुद्ध शराब और अन्य अपराध से जुड़े दर्जन भर कांड कोटवा , पिपरा , कल्याणपुर , तुरकौलिया आदि थानों में दर्ज है।बताया गया है कि संजय यादव पर कोटवा थाना कांड सं0 368/24 दि० 30.12.24 , कोटवा थाना कांड सं0 293/24 दि० 18.10.24 ,कोटवा थाना कांड सं0 176/17 दि० 29.09.17 , कोटवा थाना कांड सं0 111/18 दि० 24.05. 2018 , कोटवा थाना कांड सं0 110/13 दि० 21.04.2013 ,कोटवा थाना कांड सं0 41/14 दि० 19. 02.14 ,कोटवा थाना कांड सं0 55/14 दि० 28. 03.14 ,कोटवा थाना कांड सं0 12/23 दि० 11. 01.2023 ,कोटवा थाना कांड सं0 13/23 दि० 11. 01.2023 ,कल्याणपुर थाना कांड सं0 448/24 दि० 29.12.24 , पिपरा कोठी थाना कांड सं0 70/24 दि० 27.03.24 ,पिपरा थाना कांड सं0 89/24 दि० 27.03.24 सहित कई मामले दर्ज है। उसके लगातार फरारी को लेकर पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात ने उसके विरुद्ध 15 हजार का इनाम रखे थे। पुलिस टीम में डीएसपी सदर 2 जितेश पांडे , थानाध्यक्ष कोटवा प्रत्यूष कुमार विक्की , अपर थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह , सूर्यकांत प्रसाद,हरेश शर्मा सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

अनुसूचित जनजाति के लोगों को भी सरकार की योजनाओं से किया जाएगा आच्छादित

बीएनएम। मोतिहारी

भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत धरती आबा अभियान जागरूकता और लाभ संतृप्ति शिविर के माध्यम से जनजाति समाज के लोगों को सरकार की योजनाओं से आच्छादित किया जाएगा। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा बताया गया है कि यह कार्यक्रम आगामी 15 जून से 30 जून 2025 तक जिले के उन क्षेत्रों में चलाया जाएगा जो अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्र है।सरकार का उद्देश्य है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाई जाए। इसको लेकर जिलाधिकारी के द्वारा जिला कल्याण पदाधिकारी को अनुसूचित जनजाति बहुल आबादी वाले क्षेत्रों को चिन्हित करते हुए आगामी 15 जून से 30 जून के बीच सरकार की योजनाओं से इन्हें आच्छादित करने का निर्देश दिया गया है। इसके लिए विभागीय समन्वय के तौर पर स्वास्थ्य विभाग, खाद एवं उपभोक्ता, ग्रामीण विकास, समाज कल्याण,कृषि, राजस्व, पंचायती राज विभाग एवं अन्य विभागों के आपसी समन्वय से यह कार्य सुनिश्चित कराई जाएगी। इसके लिए आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से लाभार्थियों की पहचान एवं जागरूकता का कार्यक्रम भी चलाया जाएगा। आयोजित शिविर के निगरानी के लिए विशेष रिपोर्टिंग प्रणाली विकसित की जाएगी जिससे लाभार्थियों की वास्तविक जानकारी एकत्र की जा सके। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया है कि शिविर के माध्यम से आधार कार्ड, राशन कार्ड, जातीय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आयुष्मान भारत कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री उज्जवला गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री जनधन खाता,जीवन बीमा, वृद्धावस्था/विधवा/ दिव्यांग पेंशन, मनरेगा की योजनाएं, मुद्रा लोन,पीएम विश्वकर्म योजना, मातृ एवं शिशु कल्याण संबंधित टीकाकरण, आंगनबाड़ी की योजनाओं की लाभ/ सेवाएं जनजाति बहुत क्षेत्र में उपलब्ध कराई जाएगी।

केंद्रीय विद्यालय में सात दिवसीय भाषा शिविर का समापन

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के भवानीपुर जिरात स्थित नेहरू स्टेडियम में संचालित केंद्रीय विद्यालय में सोमवार को भारतीय भाषा समर कैंप का सफलतापूर्वक समापन किया गया। प्रभारी प्राचार्य-सह-पुस्तकालयाध्यक्ष रत्नेश कुमार ने भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर का नेतृत्व करते हुए बताया कि शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार इस सप्त दिवसीय शिविर का आयोजन 26 मई से 2 जून तक किया गया। सप्तदिवसीय शिविर में विद्यार्थियों के बीच विभिन्न कार्य दिवसों में भिन्न-भिन्न तरह की गतिविधियों द्वारा एक भारत श्रेष्ठ भारत का हार्दिक एहसास कराया गया। उन्होंने कहा कि बच्चों की लगनशीलता व बांग्ला भाषा सीखने की उत्सुकता राष्ट्रीय एकता को अभिप्रेरित कर रही है। केंद्रीय विद्यालय का यह भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर बांग्ला भाषा पर केंद्रित कर विद्यार्थियों को आनंददायक व आकर्षक तरीके से राष्ट्रवाद व राष्ट्रीय एकता से परिचय कराया गया। बांग्ला भाषाविद्-सह-रिसोर्स पर्सन प्रिया कुमारी ने इस सप्तदिवसीय शिविर में अपर प्राइमरी के विद्यार्थियों को बांग्ला भाषा अधिगम का ज्ञान प्रदान करते हुए कही कि भारतीय भाषाएं राष्ट्रीय एकता का एक महान उपकरण है। भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर के प्रथम दिन 26 मई को बांग्ला वर्णमाला, द्वितीय दिन 27 मई को बांग्ला संवाद कौशलता, तृतीय दिन 28 मई को कालीघाट शैली में पेंटिंग, चौथे दिन 29 मई को फल, सब्जी व मसालों का बांग्ला नाम, पांचवें दिन 30 मई को बांग्ला डॉक्युमेंट्री का विजुअल डिस्प्ले, छठे दिन 31 मई को बांग्ला इतिहास, संस्कृति, स्मारकों व ऐतिहासिक स्थलों का अभिज्ञान तथा अंतिम सातवें दिन 2 जून को विभिन्न गतिविधियों पर आधारित लिखित परीक्षा द्वारा विद्यार्थियों के बीच सहगामी सांस्कृतिक सामंजस्य को प्रोत्साहित किया गया। ज्ञातव्य हो कि इस भारतीय भाषा समर कैंप में बांग्ला भाषा सीखकर कक्षा छठी, सातवीं व आठवीं चयनित सभी 40 विद्यार्थी काफी उत्साहित दिख रहे थे। छठी कक्षा प्रतिभागी स्पर्श ने जहां रेस्टोरेंट में मेनु मांगने के लिए दादा मैन्यु टा दिन कह रही थी वहीं आठवीं कक्षा की प्रतिभागी विदिशा सब्जियों में अच्छे, काठोल, लाऊ, छिम, बोगुन व मोरीच को अधिगम करते हुए काफी खुश दिख रही थी। शिविर के अंतिम दिन समापन समारोह में छठी कक्षा की छात्राओं द्वारा बांग्ला स्वागत गान व लघु नाटिका की प्रस्तुति देकर विविधता की सुंदरता से परिचय कराया गया। आठवीं कक्षा की छात्राओं द्वारा मैथिली समूह गायन एवं हिन्दी, बांग्ला व अंग्रेजी में सामूहिक संवाद तथा सातवीं कक्षा की छात्राओं द्वारा उड़िया समूह गायन करते हुए भारत की सुंदर सांस्कृतिक धरोहर को परिलक्षित किया गया। शिविर में प्रतिभागियों को प्रसिद्ध उपन्यास काबुलीवाला, आमार सोनार बांग्ला, साहित्यकार रवींद्र नाथ टैगोर, समाज सुधारक राजा राम मोहन राय, कलाकार अवनींद्र नाथ ठाकुर तथा बांग्ला स्वतंत्रता सेनानियों की भी जानकारी देकर उन्हें भावनात्मक बंधन में बांध दिया गया। शिविर में प्रतिभागियों को बांग्ला भाषा में अभिवादन, अक्षर ज्ञान, संवाद कौशलता, कविता पठन, लोकगीत, चित्रकला, नृत्य-संगीत तथा पारंपरिक वेशभूषा जैसी रोचक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर भी दिया गया। अंत में प्रभारी प्राचार्य-सह-पुस्तकालयाध्यक्ष रत्नेश कुमार, कला शिक्षक अजय कुमार यादव, सामाजिक विज्ञान शिक्षक संतोष कुमार गुप्ता व हिंदी शिक्षिका स्वीटी कुमारी द्वारा सभी प्रतिभागियों के बीच प्रशस्ति पत्र का वितरण किया गया। प्रतिभागियों की ओर से स्पर्श, विदिशा प्रिया, सान्वी, ज्योत्स्ना, साधना, आराध्या, नव्या, कनिका, आरोही, उतिका वर्णिका, शांभवी, कुणिका, मिताली, अदिति, सुकन्या, हर्षित, अक्षत, अक्षित, आदित्य, आयुष, हिमांशु, ऐश्वर्य रौनक, अक्षय, मिलिंद व अमृत सहित अन्य उपस्थित रहे।

नौ जून से केसरिया में होगा अंतरराज्यीय महिला फुटबॉल टूर्नामेंट

बीएनएम। केसरिया

उच्च विद्यालय केसरिया के खेल मैदान में नौ जून से अंतरराज्यीय महिला फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। इसका फाइनल मुकाबला 12 जून को खेला जाएगा। इसमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल व बिहार की टीम भाग लेगी। विधायक शालिनी मिश्रा, डीडीसी प्रदीप कुमार, एसडीओ शिवानी शुभम ने आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। विधायक शालिनी मिश्रा ने बताया कि केसरिया की धरती पर पहली बार अंतरराज्यीय महिला फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की करीब छः दर्जन नामचीन खिलाड़ी भाग लेंगी। यह आयोजन क्षेत्र के खेल प्रेमियों को आकर्षित करेगा। उन्होंने बताया कि महिला खिलाड़ियों के रहने व अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। लोगों से अपील है कि इस आयोजन को सफल बनाये। ताकि केसरिया की धरती इस आयोजन का एक नई ऊँचाई दे सके। विधायक ने संबंधित लोगों से टूर्नामेंट के सफल आयोजन को लेकर आवश्यक विचार-विमर्श भी किया। आयोजन स्थल केसरिया उच्च विद्यालय के खेल मैदान को साफ-सफाई करने आदि को लेकर संबंधित लोगों को कहा। मौके पर सीओ पूनम मिश्रा, बीईओ विनय कुमार तिवारी सहित अन्य मौजूद थे।

हिंदी पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष्य में 'भारतः साहित्य एवं मीडिया महोत्सव' का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

हिंदी पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष्य में 'भारतः साहित्य एवं मीडिया महोत्सव' कोलकाता में आयोजित कार्यक्रम में महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग में सहायक आचार्य डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र द्वारा लिखित पुस्तक 'स्वतंत्रता संघर्ष और पूर्वांचल की मिशनरी पत्रकारिता' का विमोचन राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य, असम राज्य और दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के पूर्व कुलपति प्रो. राम मोहन पाठक और मंचासीन पत्रकारिता और साहित्य के विद्वतजन द्वारा किया गया। कार्यक्रम काशी-वाराणसी विरासत फाउंडेशन, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा और भारतीय भाषा परिषद, कोलकाता द्वारा आयोजित किया गया था। महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव और शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र को उनकी पुस्तक 'स्वतंत्रता संघर्ष और पूर्वांचल की मिशनरी पत्रकारिता' के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने बताया कि पुस्तक में गोरखपुर के स्वाधीनता संघर्ष की पत्रकारिता की लगभग 90 वर्षों (प्रथम स्वाधीनता संघर्ष 1857 से स्वतंत्रता प्राप्ति 1947) का अध्ययन है जो कल्पना प्रकाशन, दिल्ली द्वारा मुद्रित है। उन्होंने कहा कि पुस्तक में हिंदी पत्रकारिता एवं साहित्य के विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को ऐतिहासिक महत्व की शोधपरक जानकारी प्राप्त होगी। डॉ. मिश्र ने बताया कि स्वाधीनता संघर्ष में उत्तर प्रदेश का पूर्वांचल विशेषकर गोरखपुर की पत्रकारिता का महत्वपूर्ण योगदान था। सन 1919 में गोरखपुर से पंडित दशरथ प्रसाद द्विवेदी के संपादकत्व में प्रकाशित 'स्वदेश' ने स्वतंत्रता संघर्ष काल में साहित्य और पत्रकारिता की जिस तरह से सेवा की वह अद्वितीय थी। आठ अध्यायों में विभाजित इस पुस्तक में प्रभाकर, स्वदेश, कल्याण, जीवन, बसुन्धरा, बवंडर, हलचल, वीर संतान, सरजू, आरोग्य, बस्ती गजट जैसे स्वाधीनता संघर्ष के पत्रों और उस समय के महत्वपूर्ण घटनाओं का जिक्र है। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ से डॉ. अमिता दुबे, समाजसेवी डॉ. हरि प्रसाद कानोडिया, डॉ. नीलम शर्मा, आर. के. चौधरी, डॉ. अंजनी कुमार झा, विभागाध्यक्ष, मीडिया अध्ययन विभाग, एमजीसीयू, ओम प्रकाश त्रिपाठी (सोनभद्र), वरिष्ठ पत्रकार विशम्भर नेवर, श्रीमती सुषमा अग्रवाल, डॉ. कमलेश भट्ट (दिल्ली), शरद त्रिपाठी एडवोकेट, डॉ. किंशुक पाठक, एसोसिएट प्रोफेसर, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, स्नेहाशीष सुर, डॉ. अम्बरीष सक्सेना, डॉ. प्रेम शंकर त्रिपाठी, डॉ. रंजन सिंह सहित विभिन्न राज्यों से सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत बनाने की सशक्त कड़ी है : शिवराज चौहान

बीएनएम। मोतिहारी

पूर्वी चंपारण । विकसित कृषि संकल्प अभियान के पांचवे दिन सोमवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान मोतिहारी पहुंचे। जहां पीपरा कोठी कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित कार्यक्रम में किसानो कों संबोधित करते कहा कि विकसित कृषि संकल्प अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत बनाने की सशक्त कड़ी है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार कृषि उत्पादन में लागत को कम करने और किसानों की आमदनी बढ़ाने की दिशा में गंभीरता से काम कर रही है। विकसित कृषि और समृद्ध किसान के बिना विकसित भारत का सपना अधूरा है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 29 मई से 12 जून तक चलाये जा रहे विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत 16 हजार वैज्ञानिकों की टीमें गांव-गांव जाकर किसानों को नई तकनीकी सिखा रही हैं। जिसका उद्देश्य आधुनिक तरीके खेती को बढावा देना है,जिससे कम लागत में बेहतर कृषि उपज प्राप्त किया जा सके। इसके साथ ही कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढावा देना है। जिसमे प्राकृतिक खेती, कृषि में ड्रोन का उपयोग, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन इत्यादि को भी शामिल किया गया है। इस अभियान का मूल मंत्र है "लैब टू लैंड जिसमे "एक देश एक कृषि और एक टीम का निर्धारण कर देश में कृषि और किसानो को मजबूत बनाने का प्रयास किया जा रहा है। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों को उनके उत्पादन का उचित मूल्य दिलाने के लिए कृतसंकल्पित है।उन्होने किसानो से इस अभियान का भरपूर लाभ उठाने का आह्वान किया। अपने संबोधन के दौरान कृषि मंत्री ने महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह का स्मरण चंपारण की भूमि का नमन किया।उन्होने कहा आजादी के मार्ग प्रशस्त करने वाली इसी भूमि पर मिर्चा धान का चूड़ा और रसीली लीची का बेहतर उत्पादन हो रहा है।जिसके संरक्षण के लिए केन्द्र सरकार बेहतर योजना लाने पर विचार कर रही है। शिवराज सिंह चौहान ने केविके परिसर में लगे स्टॉलों का भी अवलोकन किया। जिसमें केंद्रीय कारा, आईसीआर, स्वास्थ्य विभाग, लोहिया स्वच्छता विभाग, पशु व मत्स्य संसाधन विभाग, जीविका, समावेशिक शिक्षा व पीएम पोषण विभाग, आईसीडीएस, इफको, सात निश्चय, मशरूम रिसर्च, मधुमक्खी पालन विभाग, डीआरसीसी, कृषि अभियंता व प्रौद्योगिकी विभाग, प्राकृतिक खेती विद्यालय, पोषक अनाज व मूल्य संवर्धन उत्कृष्ट केंद्र, जल जीवन हरियाली, लीची व आम उत्पादन, मृदा जांच केंद्र का स्टॉल शामिल रहा। इसके साथ ही केंद्रीय कृषि मंत्री ने किसान चौपाल लगाकर किसानो की बाते सुनी। जिसमे बेतिया के किसान आनंद कुमार के मिर्चा चूड़ा और मोतिहारी के पापाया मैन राजेश यादव के पपीते को देख सराहना की। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य जल शक्ति मंत्री राज भूषण चौधरी, बिहार सरकार के गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान, पूर्व मंत्री सह विधायक प्रमोद कुमार, बिहार सरकार के कृषि सचिव संजय कुमार अग्रवाल, कुलपति डॉ. पीएस पांडेय, निदेशक अटारी डॉ. अंजनी कुमार, विधायक श्यामबाबू प्रसाद यादव, पवन जयसवाल, सुनिलमणि तिवारी, पूर्व विधायक सचिंद्र सिंह, उपमेयर डॉ. लालबाबू प्रसाद, पवन राज, प्रकाश अस्थाना, केवीके प्रमुख डॉ. अरविंद कुमार सिंह, एमजीआईएफआरआई के निदेशक डॉ. एसके पूर्वे सहित बड़ी संख्या किसान उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

विदेशी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

शराब के नशे में ऑर्केस्ट्रा डांसर के साथ ठुमके लगाते विडियो हुआ था वायरल

बीएनएम। सुगौली। मटकोर पूजा के दौरान हुये कार्यक्रम में शराब की तुनक में ऑर्केस्ट्रा डांसर के साथ ठुमके लगा रहे युवक को स्थानीय पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार युवक नगर पंचायत के कानूटोला निवासी खेदू यादव का पुत्र मिट्ठू यादव बताया जाता है। पुलिस ने उसके पास से 8 पीएम ब्रांड का तीन डब्बा शराब बरामद किया है। दरअसल पिछले दिनों मटकोर पूजा के दौरान हो रहे कार्यक्रम में ऑर्केस्ट्रा डांसर के साथ हाथ में शराब की बोतल लिए नाचते हुए युवक का एक विडियो वायरल हुआ था। मामले को गंभीरता से लेते हुए एस पी स्वर्ण प्रभात ने पुलिस को अविलंब हिरासत में लेने का निर्देश दिया था।एस पी श्री प्रभात के निर्देश पर अमल करते हुए पुलिस ने अभियान के तहत युवक को चौबीस घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक युवक विदेशी शराब का कारोबारी है।मामले की पुष्टि थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने करते हुए बताया कि गिरफ्तार युवक को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

राजस्व विभाग का हेल्पलाइन आज से होगा शुरू

टोल फ्री नंबर 18003456215

बीएनएम। लखीसराय। राजस्व और भूमि सुधार विभाग ने पहली बार हेल्पलाइन सेवा की शुरुआत की है, जिसका उद्घाटन रविवार को दानापुर स्थित सीएससी कार्यालय में मंत्री संजय सरावगी ने किया। उन्होंने बताया कि यह हेल्पलाइन ग्रामीण और दूरदराज के लोगों को भूमि से जुड़ी योजनाओं, सेवाओं और शिकायतों के समाधान के लिए शुरू की गई है।यह सेवा 3 जून से शुरू होगी। नागरिक सोमवार से शनिवार तक सुबह 9:30 से शाम 6 बजे तक टोल फ्री नंबर 18003456215 पर कॉल कर सकेंगे। यहां दाखिल-खारिज, जमाबंदी, म्युटेशन, भूमि दस्तावेजों, योजनाओं व लाभों की जानकारी मिलेगी। आवेदन की स्थिति भी बताई जाएगी।अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने इसे जटिल विषयों को सरल बनाने वाला कदम बताया। सचिव जय सिंह ने इसे सरकार और जनता के बीच संवाद का सशक्त माध्यम कहा। सीएससी प्रमुख संतोष तिवारी ने बताया कि यह सेवा नागरिक अधिकारों और जागरूकता बढ़ाने का मंच बनेगी।

स्वास्थ्य शिविर में मरीजों की जांच : सांसद

बीएनएम। बगहाः वाल्मीकिनगर सांसद सुनील कुमार द्वारा उनके दिवंगत पिता सांसद स्व वैद्यनाथ प्रसाद महतो के 78 वी जयंती के अवसर पर वाल्मीकिनगर संसदीय क्षेत्र के बगहा 2 प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय कदमहवा,मधुबनी प्रखंड के दौनाहा तथा गौनाहा प्रखंड के सिमरी डुमरी मे स्वास्थ्य शिविर लगाकर इलाज कराया गया। नरकटियागंज में ग्राम रक्षा दल के साथियों को सम्मानित किया गया। कदमहवा स्वास्थ शिविर में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर चंदन,बीएएमएस डॉक्टर मनीष,स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर पूजा एवं पटना से मेदान्ता हॉस्पिटल के डॉक्टर कुमार राहुल रोहित के नेतृत्व में 12 स्वस्थ कर्मियों द्वारा स्थानीय जरूरतमंदो को उचित इलाज करवाया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक प्रभात रंजन सिंह,स्थानीय मुखिया सूरज सिंह,बगहा दो सांसद प्रतिनिधि उदय चौधरी,विनोद उरांव,उमा पटेल,युवा जदयू प्रदेश उपाध्यक्ष निवेदिता मिश्रा,युवा जदयू जिलाध्यक्ष सीबी कुमार एवं रामेश्वर सिंह,हरिकिशुन उरांव सहित दर्जनों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान

बीएनएम। लखीसराय । केंद्र सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आदिवासी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को लेकर प्रधानमंत्री द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरुआत की है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का उद्देश्य जनजातीय बहुल गांव में जनजातीय परिवारों के समुदायों की सामाजिक, आर्थिक स्थिति में सुधार करना तथा उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार के विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना है।लखीसराय जिले में सूर्यगढ़ा प्रखंड के कुल 08 गांवों तथा चानन प्रखंड के कुल 02 गांवों को इस योजना के लिए चयन किया है। जिले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के सफल संचालन एवं आम लोगों के बीच जागरूकता को लेकर 15 से 30 जून 2025 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। मुख्य रूप से इन गांव में शिक्षा,स्वास्थ्य,पेयजल,आवास,आंगनबाड़ी,टोला संपर्क, पथ आदि सुविधाओं को उपलब्ध कराना है इसके अलावा आयुष्मान कार्ड, जॉब कार्ड, राशन कार्ड सहित सभी तरह के प्रमाण पत्र तथा जन्म प्रमाणपत्र, आधार कार्ड निर्माण सभी तरह के पेंशन के लिए अनुसूचित जनजाति के लोगों को लाभ प्रदान किया जाएगा।

जीवन शैली में साइकिलिंग का समावेश अच्छी सेहत और फिटनेस

बीएनएम।बगहाः पर्यावरण की दृष्टि से साइकिल वास्तविक हरित वाहन है।तेज रफ्तार जीवन शैली में साइकिलिंग का समावेश अच्छी सेहत और फिटनेस के साथ लंबी जिंदगी का वादा करता है। 45 मिनट की साइकलिंग भरपूर व्यायाम है। उक्त बातें गंडक पार स्थित हरदेव प्रसाद इण्टरमीडिएट कांलेज के पूर्व प्राचार्य पंडित भरत उपाध्याय ने कही। कहा कि सेहत की सवारी साइकिल,पर्यावरण के साथ दोस्ती का कदम बढ़ा रही है। 3 जून को विश्व साइकिल दिवस है। साइकिल चलाना सबसे सहज और आनंद दायक तरीके से मोटापा घटाकर स्वास्थ्य सुधारने का उत्तम तरीका है। उन्होंने कहा कि सप्ताह में तीन से पांच बार 10 से 20 मिनट की धीमी साइकलिंग हृदय एवं फेफड़े को स्वस्थ्य रखने में, सुधार और शरीर में संग्रहित वसा को ऊर्जा में बदलने में बड़ी मदद कर सकती है। इसके साथ एक बढ़िया बात यह भी है कि कई वजन उठाने वाले व्यायाम के विपरीत ,साइकिल चलाने से घुटनों, कमर और टखनों पर कम दबाव पड़ता है।

धैर्य के साथ मांसपेशी तंत्र होते हैं विकसित- पूर्व प्राचार्य ने कहा कि साइकिल चलाने का मतलब फेफड़ों को मजबूत बनाना है, साथ ही इससे धैर्य बढ़ता है। इंसुलिन संवेदन में सुधार होता है, जिसमें टाइप टू डायबिटीज जैसी मेटाबॉलिक समस्याओं का जोखिम कम होता है। साइकिल चलाने से मांसपेशी तंत्र विकसित होते हैं, जो शरीर को देर तक मेहनत कर सकने में सक्षम बनाते हैं। साइकिलिंग वह कौशल है जिसकी आपके बुढ़ापे में सबसे ज्यादा जरूरत पड़ती है। कहा कि फेफड़ों की क्षमता बढ़ाता है और ऑक्सीजन की आपूर्ति में सुधार करता है। साइकिल चलाना स्वस्थ जीवन के लिए खास हथियार है। साइकिल अपने फिटनेस के लिए चुनें या अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में शामिल करें। इससे शरीर के लिए लाभ ही लाभ है।

शिवहर जिले को मिला 116 नए सिपाही, कर रहे योगदान

बीएनएम। शिवहर। जिला को मिला 116 नए सिपाही, योगदान की प्रकिया के साथ साथ मेडिकल का भी प्रकिया हुआ शुरू, वरीय पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार सिन्हा की नेतृत्व में योगदान व मेडिकल की प्रकिया हुआ प्रारंभ। शिवहर पुलिस लाइन में चल रही है योगदान की प्रकिया, 30 जून तक चलेगी योगदान की प्रकिया, आज 74 सिपाही ने दिया योगदान, सभी का हुआ मेडिकल जांच। मेडिकल जांच का वरीय पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण, कहा- सभी प्रकिया पूरी पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है, मौके पर एएसपी प्रेमचंद सिंह, ट्रेफिक डीएसपी भाई भरत कुमार, नगर थाना अध्यक्ष रणधीर कुमार सिंह, महिला थाना अध्यक्ष अनामिका कुमारी व अन्य मौजूद।

खगम्मा नदी में डूबने से छात्र की मौत

गांव में शोक की लहर

» तालझारी (झारखंड) निवासी था मृतक **» सहरसा में रहकर कर रहा था पढ़ाई**

बीएनएम। सहरसा (सिमरी बख्तियारपुर)

जिले के सलखुआ प्रखंड अंतर्गत कोपरिया गांव स्थित खगम्मा नदी में रविवार को नहाने के दौरान एक किशोर की डूबकर मौत हो गई। मृतक की पहचान 15 वर्षीय मोहम्मद रेहान के रूप में हुई है, जो झारखंड के साहिबगंज जिले के तालझारी गांव का निवासी था। वह सिमरी बख्तियारपुर अनुमंडल क्षेत्र में अपने रिश्तेदार के यहां रहकर पढ़ाई कर रहा था और वर्तमान में कक्षा नौवीं का छात्र था।प्राप्त जानकारी के अनुसार, रेहान रविवार की दोपहर अपने रिश्तेदार भाई और अन्य परिजनों के साथ कोपरिया गांव स्थित खगम्मा नदी में नहाने गया था। नहाते समय वह असावधानीवश नदी के गहरे हिस्से में चला गया और तेज बहाव की चपेट में आकर डूब गया। परिजनों और ग्रामीणों ने उसे काफी खोजा लेकिन सफलता नहीं मिली। बाद में स्थानीय गोताखोरों को बुलाया गया, जिनकी मदद से काफी प्रयास के बाद रेहान का शव पानी से निकाला गया।परिजन तत्काल रेहान को लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। रेहान की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया है। गांव में भी मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से नदी किनारे चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

विदेशी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

शराब के नशे में ऑर्केस्ट्रा डांसर के साथ ठुमके लगाते विडियो हुआ था वायरल

बीएनएम। सुगौली

मटकोर पूजा के दौरान हुये कार्यक्रम में शराब की तुनक में ऑर्केस्ट्रा डांसर के साथ ठुमके लगा रहे युवक को स्थानीय पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार युवक नगर पंचायत के कानूटोला निवासी खेदू यादव का पुत्र मिट्ठू यादव बताया जाता है। पुलिस ने उसके पास से 8 पीएम ब्रांड का तीन डब्बा शराब बरामद किया है। दरअसल पिछले दिनों मटकोर पूजा के दौरान हो रहे कार्यक्रम में ऑर्केस्ट्रा डांसर के साथ हाथ में शराब की बोतल लिए नाचते हुए युवक का एक विडियो वायरल हुआ था। मामले को गंभीरता से लेते हुए एस पी स्वर्ण प्रभात ने पुलिस को अविलंब हिरासत में लेने का निर्देश दिया था।एस पी श्री प्रभात के निर्देश पर अमल करते हुए पुलिस ने अभियान के तहत युवक को चौबीस घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक युवक विदेशी शराब का कारोबारी है।मामले की पुष्टि थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने करते हुए बताया कि गिरफ्तार युवक को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

एएनएम की मासिक बैठक में दिये गये कई दिशा निर्देश

बैठक में शामिल एएनएम व पदाधिकारी

बीएनएम। जमुई/ झाझा

रेफरल अस्पताल सह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झाझा में सोमवार को एएनएम की मासिक बैठक आयोजित हुई । जिसकी अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरूण कुमार , स्वास्थ्य प्रबंधक सुभाष चन्द्रा ने की ।इसमें एएनएम द्वारा पिछले माह में किये गये कार्यों की समीक्षा की गई । जिसमें टीकाकरण के संदर्भ में जिन एचएससी के पोषक क्षेत्र में आच्छादन कम है, उस पर प्राथमिकता से कार्य करने का निर्देश दिया गया । साथ ही सर्वे, ड्यू लिस्ट व रजिस्टर अद्यतन करने को कहा गया । प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने उपस्थित एएनएम को हिदायत देते हुए कहा कि सभी अपनी अपनी सेंटर को ससमय खोलें । क्षेत्र में चल रही स्वास्थ्य योजनाओं को धरातल पर कैसे बेहतर करें, आमजन को शत प्रतिशत इसका लाभ कैसे प्राप्त हो, इसे लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया । साथ ही एनसीडी, अनमोल ऐप अरसीएच, बंध्याकरण, परिवार नियोजन, एएनसी जांच, टेली मेडिसिन आदि को लेकर कई प्रकार का निर्देश दिये गये । यूनिसेफ के शिवानी कुमारी ने इस दौरान नियमित टीकाकरण के संदर्भ में महत्वपूर्ण जानकारी दी । वहीं चिकित्सा पदाधिकारी , स्वास्थ्य प्रबंधक ने कहा कि क्षेत्र से आमजन से मिल रही शिकायतों व निरीक्षण के क्रम में यह पाया गया है कि कतिपय एएनएम ड्यूटी के दौरान लेट होती है तो। इसे कर्तव्य में लापरवाही समझा जायेगा । ऐसे लोगों को कार्यशैली में हर हाल में बदलाव लाने का सख्त चेतावनी दी गई । इस बैठक में कई एएनएम मौजूद थी ।

कृष्णा हत्याकांड में तीन अभियुक्त गिरफ्तार

गिरफ्तारी की जानकारी देते एसडीपीओ

» अभियुक्त मटियाना गांव से दूसरे जगह भागने का था फिराक में

बीएनएम। जमुई/ झाझा

राजमिस्त्री कृष्णा मंडल की रविवार को सोनो थाना क्षेत्र के दूधियानों गांव के पास हुई हत्या मामले में पुलिस ने 24 घण्टे के अंदर तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इस संदर्भ में झाझा पुलिस अनुमंडल कार्यालय में एसडीपीओ राजेश कुमार ने गिरफ्तारी के संदर्भ में पूरी जानकारी दी। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देश पर मेरे नेतृत्व में एक टीम बनाई गई । छापेमारी के दौरान पता चला कि सोनो थाना क्षेत्र के पैरामटियाना गांव के पास घटना में शामिल तीन अभियुक्त एकजुट होकर भागने के फिराक में है जिसके बाद टीम द्वारा उक्त गांव में छापेमारी कर गिरफ्तार किया। एसडीपीओ ने बताया कि हत्या का कारण ढाई से तीन लाख रुपए का लेनदेन से जुड़ा हुआ है। जिसमें विवाद हुआ था तो मृतक के भाई ने पूर्व में भी दीपक मंडल सहित कुल 12 लोगों को नामजद बनाया था। टीम में सोनो थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी कका नियुक्त किया गया। घटना को गम्भीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को बुलाया गया। जिसके बाद मृतक के भाई के द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराए जाने के बाद नामजद आरोपी की गिरफ्तारी में जुट गए। गिरफ्तारी में मटियाना गांव के कृष्णा मंडल, नैयाडीह गांव के रहने वाले प्रमोद मंडल, राहुल मंडल है। एसडीपीओ ने बताया कि अन्य दो अभियुक्त जो घटना में शामिल है उसे भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा जिसके लिए गठित पुलिस टीम छापेमारी में जुटी हुई है।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

गांव में पसरा मातम

दो बाइकों की टक्कर में घायल हुआ था गौसपुर निवासी राजदीप कुमार

बीएनएम। सहरसा (सिमरी बख्तियारपुर)

जमा भीड़

जिले के सलखुआ प्रखंड अंतर्गत मोबारकपुर गांव के समीप एसएच-95 पर गत गुरुवार को हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए युवक राजदीप कुमार (उम्र 22 वर्ष) की इलाज के दौरान शनिवार शाम मौत हो गई। यह दुखद समाचार जैसे ही गौसपुर गांव पहुंचा, पूरे गांव में मातम छा गया। राजदीप की मौत ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार की शाम एसएच-95 पर दो बाइकों की आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई थी, जिसमें चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे में एक बाइक पर अकेले सवार राजदीप कुमार था, जबकि दूसरी बाइक पर ट्रिपल लोडिंग की जा रही थी। दुर्घटना इतनी भयानक थी कि सभी युवकों को स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल सिमरी बख्तियारपुर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सहरसा सदर अस्पताल रेफर किया गया। राजदीप की स्थिति अत्यंत नाजुक होने के कारण चिकित्सकों ने उसे सिलीगुड़ी के एक निजी अस्पताल में भेजने की सलाह दी। परिजनों ने तुरंत उसे वहां भर्ती कराया, लेकिन दो दिनों तक चले इलाज के बाद शनिवार शाम उसने अंतिम सांस ली। राजदीप की मौत की खबर गांव में पहुंचते ही कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, मां-बाप बेसुध हो गए हैं। रविवार को जब राजदीप का शव गांव लाया गया, तो हर आंख नम हो गई। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जन-सुराज नेता शमीम अनवर सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने पीड़ित परिवार से मिलकर संवेदना प्रकट की और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि एसएच-95 पर यातायात सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

मृतक की फाइल फोटो

पलनवा पुलिस ने 90 पीस नेपाली शराब बरामद की, तस्कर फरार

बीएनएम। रामगढ़वा

पलनवा थाना क्षेत्र के सौनाहा गांव में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एंब्रीशन ब्रांड की नेपाली शराब की बड़ी खेप बरामद की है। पुलिस ने बिना नंबर की एक अपाचे मोटरसाइकिल से 300 मि.ली. के 90 पीस नेपाली शराब जब्त किए हैं। इस संबंध में पलनवा थानाध्यक्ष सीता केवट ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि एक शराब तस्कर नेपाल से शराब लेकर अपाची मोटरसाइकिल पर आ रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस बल को तत्परता से सौनाहा गांव में तैनात किया गया। हालांकि, पुलिस की तैनाती की भनक लगते ही शराब तस्कर मौके से मोटरसाइकिल छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने वाहन सहित शराब जब्त कर ली है। थानाध्यक्ष ने बताया कि फरार अभियुक्त की पहचान कर ली गई है और जल्द ही उसे गिरफ्तार करने के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अरेराज में पॉलीथीन प्रतिबंध को लेकर नगर पंचायत की कार्रवाई, 7 दुकानदारों पर चालान, 1500 जुर्माना वसूला

बीएनएम। अरेराज

बिहार सरकार के पॉलीथीन प्रतिबंध अभियान के तहत नगर पंचायत अरेराज द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई। मारकण्डेय चौक पर स्वच्छता पदाधिकारी निश्चल कुमार और अवर निरीक्षक राजेश तिवारी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान पॉलीथीन का उपयोग करते पाए गए 7 दुकानदारों पर चालान काटा गया और कुल 1500 का जुर्माना वसूला गया। अधिकारियों ने दुकानदारों को पॉलीथीन के उपयोग से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी और पर्यावरणीय खतरों के बारे में जानकारी दी और भविष्य में इसके उपयोग से बचने की सख्त चेतावनी भी दी। कार्रवाई के दौरान बाजार क्षेत्र में हड़कंप मच गया और कई दुकानदारों ने तत्काल पॉलीथीन हटाना शुरू कर दिया। नगर पंचायत ने स्पष्ट किया है कि आगे भी नियमित छापेमारी जारी रहेगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। स्वच्छता पदाधिकारी निश्चल कुमार ने कहा, "पॉलीथीन न केवल पर्यावरण के लिए घातक है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। हमारा उद्देश्य केवल जुर्माना वसूलना नहीं, बल्कि लोगों को जागरूक करना भी है।"

तीन वर्षीय बच्ची को चमकी बीमारी होने पर सरोजा सीताराम अस्पताल में कराया गया भर्ती

बीएनएम। शिवहर

सरोजा सीताराम सदर अस्पताल में एक मरीज चमकी का भर्ती कराया गया है। जिले के डुमरी कटसरी प्रखंड के लक्ष्मीनिया गांव की बिकाऊ सहनी की 3 वर्षीय पुत्री विभा कुमारी को चमकी की बीमारी होने से अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज जारी है। चमकी बुखार, जिसे एक्यूट इंसेफ्लाइटिस सिंड्रोम (AES) भी कहा जाता है, एक रहस्यमय बीमारी है जो बिहार के मुजफ्फरपुर और आसपास के जिलों में बच्चों को प्रभावित करती है। इसमें बच्चों के शरीर में झटके आते हैं, जिसे स्थानीय भाषा में 'चमकी' कहा जाता है। यह बीमारी लीची के पकने के मौसम में, खासकर जून के महीने में, अधिक फैलती है। चिकित्सकों के अनुसार लीची में पाया जाने वाला एक टॉक्सिन, जो अधपकी लीची में अधिक होता है, कुपोषित बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है। गर्मी और उमस भी इस बीमारी को बढ़ावा दे सकती है।कुछ मामलों में, यह बीमारी वायरस या बैक्टीरिया से भी हो सकती है। सौम्या क्लिनिक के चिकित्सक डॉक्टर सुधीर कुमार ने बताया है कि अचानक तेज बुखार,शरीर में झटके या ऐंठन, बेहोशी,मांसपेशियों में अकड़न,सिरदर्द, उल्टी होने पर तुरंत अस्पताल बच्चों को ले जाए। डॉ सुधीर कुमार ने बताया है कि बच्चों को अधपकी लीची का सेवन नहीं करने देना चाहिए।बच्चों को भरपेट खाना खिलाना चाहिए। बच्चों को नियमित रूप से पानी पिलाना चाहिए। बच्चों को तेज धूप में बाहर जाने से रोकना चाहिए। किसी भी असामान्य लक्षण के दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

जाति आधारित राजनीति

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जातिगत जनगणना से विकास के विभिन्न क्षेत्रों में पीछे छूट गए लोगों की मदद की बात की। 'ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी की सटीकता पर भी विचार रखे। सम्मेलन में मोदी के तीसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ और सुशासन के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। जातिगत जनगणना को लेकर सरकार ने अचानक अपनी रणनीति बदली है। 1931 के बाद देश में जातिगत जनगणना नहीं हुई, तब पिछड़ी जातियां 52 प्रतिशत थीं। जाति आधारित राजनीति के पांव जमाने से पहले आजादी के तुरत बाद 1951 से दलितों व जनजातियों की अलग से गणना होने लगी। जातिवादी राजनीति के हावी होते ही, विपक्ष लंबे अरसे से जातिगत जनगणना की मांग कर रहा है। जिस पर मोदी सरकार ने कभी रुख स्पष्ट नहीं किया। मगर संघ के जातिगत जनगणना के समर्थन में विचार देते ही सरकार ने इसकी घोषणा कर दी। तर्क है कि वंचितों के लिए नीतियां बनाने में आसानी होगी तो इसका विरोध करने वाले मानते हैं इससे समाज में दरारें आ सकती हैं। जातियों को वोट बैंक के नाम पर भुनाने वाले और आरक्षण समर्थकों के लिए नये मुद्दे उभर कर सामने आ सकते हैं। वास्तव में अतिपिछड़ों व वंचितों के उत्थान के लिए उठाए गए कदम अपनी भूमिका निभाने में असफल नजर आते हैं। आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक सशक्तिकरण के बगैर समानता की कल्पना भी नहीं की जा सकती। योजनाओं और प्रचार में अव्वल सरकार के लिए ये सिर्फ शिगूफे न साबित हों, यह ख्याल किया जाना जरूरी है। रही बात पाक से संघर्ष की तो इसके लिए सशस्त्र बलों के बलिदान और साहस पर समूचा देश भाव-विह्वल है। मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों का फर्ज है, वे शहीदों व युद्ध प्रभावितों के परिजनों की भरपूर मदद में कोई कोताही न करें। दुश्मन मुल्क से लगी सीमा के रहवासियों को हुई जान-माल की भरपाई की भी अनदेखी नहीं होनी चाहिए। बंद कमरों में आला-कमान की प्रशस्ति काफी नहीं कही जा सकती। हालांकि देश के राजनीतिक दलों में जिस तरह का अधिनायकवाद हावी है, वहां आंतरिक लोकतंत्र की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

आतंक के लालगढ़ में लहराने लगा तिरंगा

डॉ. आशीष वशिष्ठ

चार दशक से ज्यादा समय तक नक्सलवाद का शिकार रहे छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले को अब वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) जिले की सूची से बाहर कर दिया गया है। अपने आप में ये बड़ी खबर है। दरअसल नरेन्द्र मोदी सरकार का लक्ष्य है कि मार्च 2026 तक भारत पूरी तरह से नक्सल मुक्त हो जाए। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी कई बार सार्वजनिक मंच से इस बात को दोहरा चुके हैं। शाह अगस्त 2024 और दिसंबर 2024 में छत्तीसगढ़ के रायपुर और जगदलपुर में अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग मंचों से नक्सलियों को चेताते हुए कहा था कि हथियार डाल दें। हिंसा करोगे तो हमारे जवान निपटेंगे। उन्होंने एक डेडलाइन भी जारी की थी कि 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। शाह के डेडलाइन जारी करने के बाद से बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन काफी तेज हो गए हैं। नक्सलवाद शब्द की उत्पत्ति पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से हुई है। इसकी शुरुआत स्थानीय जमींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई, जिन्होंने भूमि विवाद को लेकर एक किसान की पिटाई की थी। यह आंदोलन जल्द ही पूर्वी भारत के छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे कम विकसित क्षेत्रों में फैल गया। वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) को दुनिया भर में माओवादी और भारत में नक्सलवादी के नाम से जाना जाता है। वे सशस्त्र क्रांति के माध्यम से भारत सरकार को उखाड़ फेंकने और माओवादी सिद्धांतों पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना की वकालत करते हैं। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल राज्यों को वामपंथी उग्रवाद प्रभावित माना जाता है। देश में भाजपा सरकार बनने के बाद 2015 में नक्सलवाद के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की नीति बनाई गई। तत्कालीन गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने आठ सूत्री समाधान एक्शन प्लान बनाया। इसमें नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई और नक्सली इलाकों में विकास के काम एक साथ किए गए। नक्सलियों के खिलाफ राज्य सरकारों के विशेष बल, केंद्रीय सुरक्षा बलों, पुलिस ने मिलकर कार्रवाई की। इससे नक्सली घटनाओं में जबरदस्त कमी आयी। 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जिसे भारत की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती कहा था, वही नक्सलवाद अब खत्म होता दिख रहा है। नक्सलियों ने नेपाल के पशुपति से आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक एक रेड कॉरिडोर स्थापित करने की योजना बनाई थी। 2013 में लगभग 126 जिलों में नक्सली सक्रिय थे। वर्तमान में नक्सलवाद से सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटकर 6 हो गई। इनमें छत्तीसगढ़ के चार जिले- बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा, झारखंड का एक जिला- पश्चिमी सिंहभूम और महाराष्ट्र का एक जिला- गढ़चिरौली शामिल है। वर्ष 2025 में सुरक्षाबलों के ऑपरेशन में अब तक 287 नक्सली मारे जा चुके हैं। वहीं 865 ने समर्पण किया है और 830 गिरफ्तार हुए हैं। गत 21 मई को सुरक्षाबलों ने अबूझमाड़ में डेढ़ करोड़ के इनामी नंबला केशव उर्फ बसवराज को मार गिराया। वह तीन दशक से सक्रिय था। इसे नक्सलियों का हाफिज सईद भी कहा जाता है। नक्सलियों के सरदार बसवा राजू के ढेर होने के बाद माओवादियों का हौसला पस्त हो गया है। इस बड़े एनकाउंटर के बाद दक्षिण बस्तर डिवीजन में चार हार्डकोर नक्सलियों सहित 18 माओवादियों ने सरेंडर किया था। इसी तरह बीजापुर में 32 और तेलंगाना में 86 नक्सलियों ने सरेंडर किया था। बासव राजू की मौत के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने भी एक्स पर लिखा था कि महासचिव स्तर के बड़े नक्सली नेता को मारा गया है। इस कामयाबी को हासिल करने वाला 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' भी सुर्खियों में है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नक्सलवाद

के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक 90 नक्सली मारे जा चुके हैं, 104 को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था, 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज किया जा चुका है। वर्ष 2004 से 2014 के बीच नक्सली हिंसा की कुल 16,463 घटनाएं हुई थीं, जबकि मोदी सरकार के कार्यकाल में 2014 से 2024 के बीच हिंसक घटनाओं की संख्या 53 प्रतिशत घटकर 7,744 रह गई हैं। इसी प्रकार, सुरक्षाबलों की मृत्यु की संख्या 1851 से 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई और नागरिकों की मृत्यु की संख्या 70 प्रतिशत की कमी के साथ 4766 से 1495 रह गई है। वर्ष 2014 तक कुल 66 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन थे जबकि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 612 हो गई है। इसी प्रकार, 2014 में देश में 126 जिले नक्सल प्रभावित थे, लेकिन 2024 में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर मात्र 12 रह गई है। पिछले 5 वर्षों में कुल 302 नए सुरक्षा कैंप और 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड बनाए गए हैं। नक्सली हिंसा में 2010 में 720 नागरिक मारे गए। 2024 में मरने वालों की संख्या घटकर 131 हो गई। नक्सली हिंसा में 2010 में 1005 नागरिक और सुरक्षा बल मारे गए। 2024 में 150 नागरिक और सुरक्षा बल मारे गए। यानी कि मरने वालों की संख्या में 85 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। नक्सली आर्थिक ढांचे जैसे कि रेलवे प्रॉपर्टी, पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर की इकाइयों, टेलीफोन एक्सचेंज, मोबाइल टॉवर, सड़क, स्कूल को निशाना बनाते रहे हैं। पर पिछले कुछ साल से इन घटनाओं मे कमी आई है। 2010 में हमले की ऐसे 365 मामले थे, जो 2024 में घटकर 25 रह गए। पिछले एक दशक में मिली सफलता का श्रेय सुरक्षा रणनीति के साथ ही विकास योजनाओं में आई तेजी को भी जाता है। सरकार ने लक्षित विकास योजनाएं चलाईं, जिनसे लोगों का भरोसा दोबारा जीता जा सका। सड़क और मोबाइल नेटवर्क जैसी बुनियादी सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के कामों ने स्थानीय लोगों के दिलों में जगह बनाई है। वहीं, 'रोशनी योजना' ने आदिवासी युवाओं को कौशल विकास और रोजगार प्राप्त करने में मदद की है। केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि वह उन मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के दबाव में नहीं आएगी, जो बंदूक उठाने वाले माओवादी उग्रवादियों का समर्थन करते हैं। पिछले एक दशक से सरकार ने माओवाद के खिलाफ एक मजबूत और बहुआयामी रणनीति अपनाई है, जो अब काफी असरदार साबित हो रही है। गृह मंत्रालय की 2017 में शुरू की गई 'समाधान' रणनीति ने जमीन पर बड़ा फर्क डाला है। इसमें सुरक्षा संबंधी कार्ययोजना के साथ-साथ विकास से जुड़ी पहल भी शामिल है। नक्सलियों के खिलाफ अभियान मोदी सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति का प्रतीक है। इस से पहले कोई सरकार ऐसी इच्छाशक्ति दिखा नहीं पाई। ध्यान इस बात का रखना होगा कि नक्सलवाद फिर सिर न उठा पाए। इसके लिए प्रभावित इलाकों में अगला चरण लोकोन्मुखी सरकार, भूमि अधिकार, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आर्थिक उत्थान पर फोकस होना चाहिए। जमीनी लड़ाई में जीत केवल आधी सफलता है, अगला फोकस नक्सलियों के पुनर्वास और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने पर होना चाहिए।

सूडोकु नवताल- 7449

कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7448 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

सफर और अच्छे सेहत की साथी

(विश्व साइकिल दिवस/03 जून/ विशेष)

योश कुमार गोयल

एक समय ऐसा था जब लोग मीलों दूर का सफर भी पैदल अथवा बैलगाड़ियों के माध्यम से कई-कई दिनों में पूरा किया करते थे। साइकिल के आविष्कार ने लोगों की दुनिया ही बदल डाली। साइकिल ने लोगों के लिए मीलों दूर का सफर भी आसान बना दिया। कुछ दशक पूर्व तो बहुत से छात्र स्कूल तक पहुंचने के लिए भी मीलों दूर का सफर साइकिल से ही तय किया करते थे। हालांकि वह ऐसा दौर था, जब साइकिल को आमतौर पर निर्धनता का प्रतीक समझा जाता था और साइकिल को गरीब तथा मध्यम वर्ग के यातायात का ही अहम हिस्सा माना जाता था। तब खासकर मजदूर वर्ग के लोग, दूध वाले, स्कूल जाने वाले छात्र इत्यादि ही साइकिल पर दिखते थे। साइकिल की कीमत तब ज्यादा नहीं होती थी और प्रायः एक ही जैसी साइकिलें बाजार में मिलती थी लेकिन समय के साथ बदलती तकनीक के दौर में साइकिलें भी हाईटेक होती गईं और आज बाजार में कुछ हजार से लेकर लाखों रुपये तक की साइकिलें उपलब्ध हैं। समय के साथ साइकिल की उपयोगिता और महत्व भी बदलता गया है और आज के आधुनिक दौर में साइकिलें अधिकांशतः व्यायाम अथवा शारीरिक फिटनेस के तौर पर प्रयोग की जाती हैं। आज के जमाने में लोग घंटों साइकिल चालकर इससे सेहत और वातावरण को पहुंचने वाले फायदों के बारे में जागरुकता फैलाते हैं। हालांकि यूरोप, डेनमार्क, नीदरलैंड इत्यादि दुनिया के कई हिस्से आज भी ऐसे हैं, जहां साइकिल के जरिये ही एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाया जाता है। साइकिल का दौर 1960 से लेकर 1990 के बीच काफी अच्छा चला लेकिन उसके बाद समय बदलता गया और साइकिल का चलन भी कम होता गया। बीते कुछ वर्षों में पर्यावण की महत्ता और साइकिल चलाने से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी लाभ को देखते हुए लोग साइकिल की ओर आकर्षित हुए हैं और यही कारण है कि अब केवल भारत ही नहीं बल्कि जापान, इंग्लैंड सहित कई विकसित देशों में भी साइकिलों का उपयोग बढ़ रहा है। भारत का साइकिल उद्योग आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है और भारत साइकिल का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता देश है। साइकिल पर्यावरण के लिए यातायात का सबसे उत्तम साधन है क्योंकि इसके उपयोग से डीजल-पेट्रोल का दोहन कम होने के साथ ही प्रदूषण स्तर भी कम होता है। साथ ही शरीर को स्वस्थ रखने में भी साइकिल महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साइकिल चलाने से न केवल पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है बल्कि यह व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक विकास में भी सहायक होता है। यही कारण है कि साइकिल की विविधता, मौलिकता और परिवहन के एक व्यापक और सहज साधन के बारे में जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 03 जून को विश्व साइकिल दिवस मनाया जाता है। अप्रैल 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने हर साल 03 जून को यह दिवस मनाने की घोषणा साइकिल सवारी से मिलने वाले स्वास्थ्य, पर्यावरण और आवागमन के लिए सबसे सस्ता साधन इत्यादि को देखते हुए की थी। दरअसल साइकिल का महत्व धीरे-धीरे घटता जा रहा था, तकनीक के विकास के साथ ही पैट्रोल-डीजल इत्यादि से चलने वाली गाड़ियों का उपयोग बढ़ने लगा और लोगों ने समय की बचत तथा सुविधा के लिए साइकिल चलाना बेहद कम कर दिया। इसीलिए साइकिल के उपयोग और जरूरत के बारे में बच्चों और अन्य लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व साइकिल दिवस मनाने की जरूरत महसूस की गई। संयुक्त राष्ट्र संघ ने पर्यावरण सुरक्षा को भी साइकिल चलन को बढ़ावा देने का अहम उद्देश्य माना है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार साइकिल दिवस मानव प्रगति, उन्नति, स्थिरता, सामाजिक समावेश और शांति की संस्कृति के प्रतीक के रूप मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत को लेकर अमेरिका के मोंटगोमरी कॉलेज के प्रोफेसर लेसजेक सिबिल्स्की ने एक अभियान चलाया था, जिसका समर्थन तुर्कमेनिस्तान और 56 अन्य देशों ने किया था। सिबिल्सकी ने ही साइकिल दिवस मनाए जाने का प्रस्ताव दिया था, जिसके बाद सिबिल्सकी और उनके साथियों द्वारा उसका प्रचार-प्रसार किया गया। साइकिल यातायात का ऐसा साधन है, जो वायु प्रदूषण को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि इसे चलाने के लिए पेट्रोल, डीजल या सीएनजी जैसे किसी ईंधन की जरूरत नहीं पड़ती। साइकिल चलाने से अच्छा व्यायाम हो जाता है, जिससे वजन कम करने से लेकर मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। साइकिल चलाना एक प्रकार की एरोबिक एक्सरसाइज है, जिससे शरीर को चुस्त-दुरूस्त रखने, पतला होने और मांसपेशियों को टोन करने में मदद मिलती है।

मेष राशि- मेष राशि वालों का आज का दिन बेहतर रहने वाला है। आज लंबे समय से चल रही किसी समस्या से आपको निजात मिलेगा और आपकी चतुराई और योग्यता की सराहना होगी। आज किसी अनुभवी के मार्गदर्शन से प्रॉपर्टी की खरीदी-बिक्री संबंधी रुका काम पूरा हो जाएगा। कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी और विशेष मुद्दों पर बातचीत भी होगी जो कि सकारात्मक रहेगी।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज दिन भर भागा-दौड़ी की स्थिति रहेगी लेकिन कार्य भी सुचारू रूप से बनते जाएंगे। सूझबूझ और व्यवहार कुशलता से अपने काम के प्रति व्यस्त रहेंगे। आज व्यस्ततम दिनचर्या रहेगी लेकिन आप अपने कार्यों को सहज ही पूरा भी कर लेंगे। आज कार्यक्षेत्र में बदलाव संबंधी कुछ योजनाएं बनेंगी और योजनाबद्ध तरीके से काम करना आपको मन मुताबिक सफलता भी देगा।

मिथुन राशि- आपके लिए आज का दिन खास होने वाला है। किसी भी नए निवेश के बारे में प्लान करें, आपको अच्छा लाभ हो सकता है। घर में किसी नन्हें मेहमान के आगमन संबंधी शुभ समाचार मिलने से उत्सव का माहौल रहेगा। माता-पिता के आशीर्वाद से किए गए काम में आपको सफलता मिलेगी। आज कोई भी विशेष निर्णय लेते समय बेहतर होगा कि आप किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लें, इससे काम में आसानी भी होगी।

कर्क राशि- कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी समारोह में शामिल होंगे तो आपकी उपस्थिति को महत्व मिलेगा। कोरियर का बिजनेस कर रहे कारोबारियों को आज फायदा मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोगों का आज समाज में दबदबा बना रहेगा। आज रुका हुआ पैसा मिल सकता है।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। कार्यस्थल पर गंभीरता और ईमानदारी से अपने प्रोजेक्ट को अंजाम दें, इस समय आपकी तरक्की के भी योग बन रहे हैं। आज समय आपके पक्ष में है। काम आसानी से बनेंगे और किसी नई योजना पर भी काम करने का अवसर मिलेगा।

कन्या राशि- आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपने बड़े भाई से प्रॉपर्टी से रिलेटेड कोई बात करेंगे और फाइनेंस संबंधित कुछ योजनाएं बनेंगी। आज आपका काम करने का जुनून आपको मेहनत करने की क्षमता प्रदान करेगा। आज किसी भी ऑफिशियल यात्रा को करने के लिए समय अनुकूल है। आज पारिवारिक सदस्यों के बीच प्रेम और सामंजस्य की भावना बनी रहेगी।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप करीबी व्यक्ति के बारे में गहराई से विचार करके रिश्ता सुधारेंगे। आज जिम्मेदारियां रहेंगी, लेकिन उनसे भागने के बजाय उन्हें बेहतर तरीके से पूरा करने की कोशिश करेंगे। आज जल्दबाजी और भावुकता में कोई निर्णय न लें। आज कारोबारी महिलाओं को पारिवारिक और व्यवसायिक तालमेल बनाकर रखना है।

वृश्चिक राशि- वृश्चिक राशि वालों के लिए आज का दिन सामान्य रहने वाला है। आज किसी भी नकारात्मक स्थिति में घबराने के बजाय उसका समाधान ढूंढें तो जल्दी ही हल भी मिलेगा। वाहन अथवा किसी महंगे उपकरण के खराब होने से बड़ा खर्चा सामने आएगा। आज अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव लाने से नए अवसर मिलने वाले हैं।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी और आप सामान की खरीददारी करने मार्किट जा सकते हैं। आज कारोबार में नई तकनीक का इस्तेमाल करने संबंधी कार्य प्रणाली पर विचार-विमर्श होगा।

मकर राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज किसी भी काम को करने से पहले उससे संबंधित उचित जानकारी हासिल करेंगे, फिर उस पर काम करेंगे। इससे आपको बेहतर परिणाम हासिल होंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। घर में बुजुर्गों का भी प्यार और आशीर्वाद शांतिपूर्ण माहौल बनाकर रखेगा। किसी रुके हुए काम को पूरा करने में सफलता मिल सकती है।

कुम्भ राशि- आपके लिए आज का दिन उत्तम रहने वाला है। आज प्रोजेक्ट कार्य में आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। सकारात्मक सोच जीवनयापन में आपकी मदद करेगी। आज घर तथा बाहर दोनों जगह किसी बड़े फैसले को लेने में आपका विशेष योगदान रहेगा। अगर कहीं पैसा फंसा हुआ है, तो उसकी वसूली के लिए प्रयास करें, सफलता मिल सकती है।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज पारिवारिक सदस्यों के साथ किसी महत्वपूर्ण विषय पर सहमति बन जाने से राहत की सांस लेंगे।

भारतीय सैन्य रणनीति की जरूरत है थियेटर कमान

हरीश शिवनानी

अन्ततः भारत ने सैन्य क्षेत्र में थियेटर कमान की स्थापना और थियेटर कमांडर की नियुक्ति करने का महत्वपूर्ण निर्णय ले लिया। ऑपरेशन सिंदूर के सफल क्रियान्वयन के बाद रक्षा बजट में वृद्धि के प्रस्ताव और पांचवीं पीढ़ी के आक्रामक गहराई से भेदने वाले अत्याधुनिक लड़ाकू विमान 'एडवांस्ड मीडियम कॉम्बेट एयरक्राफ्ट' परियोजना को मंजूरी देने के साथ यह एक सामयिक सामरिक निर्णय है। बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और भारत की सीमाओं के पास पसरे शत्रुओं के अतीत और इरादों को देखते हुए यह कदम पहले ही उठाने की जरूरत थी। सरकार ने डेढ़ वर्ष से लंबित थियेटर कमान के गठन की जमीनी तैयारियों का क्रियान्वयन शुरू कर दिया है। केंद्र ने अंतर सेवा संगठन अधिनियम (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) यानी (इंटर सर्विसेज ऑर्गेनाइजेशन (कमांड, कंट्रोल एंड डिसिप्लिन एक्ट 2023)) बुधवार को राजपत्र में अधिसूचित कर दिया। यह थियेटर कमान के गठन का प्रथम चरण है। जाहिर है,ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद केंद्र सरकार ने अपनी रक्षा तैयारियों को और मजबूती प्रदान करनी शुरू कर दी है। हालांकि रक्षा मंत्रालय ने सेनाओं की दक्षता बढ़ाने के लिए थियेटर कमान के गठन का निर्णय पहले कर लिया था। इसके तहत भारतीय सशस्त्र सेनाओं की तीनों सेवाओं की ऐसी कमानें गठित होंगी, जिसमें थल,नभ,जल सेना सहित अर्धसैनिक बलों को भी शामिल किया जा सकता है। यह लंबे समय से प्रतीक्षित सामरिक महत्व का सुधार है जो भविष्य के युद्धों को लड़ने के लिए सैन्य संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए है। संसद से 2023 को पारित इस अधिनियम को इसी 27 मई को सरकार ने भारत के राजपत्र में अधिसूचित कर दिया है। इस महत्वपूर्ण कदम का उद्देश्य एक निश्चित भौगोलिक इकाई में सेना के तीनों अंगों के एक समूह को प्रभावी कमांड, सटीक नियंत्रण और कुशल कामकाज को बढ़ावा देना है, जिससे सशस्त्र बलों के बीच तालमेल बेहतर होगा। यह अधिनियम आईएसओ के कमांडर-इन-चीफ और ऑफिसर-इन-कमांड को मजबूत और प्रभावी बनाएगा। दरअसल 'थियेटर कमान' का अर्थ है एक क्षेत्रीय इकाई में सेना, नौसेना और वायु सेना के समन्वित संचालन के लिए एक ही कमांडर के अधीन एकीकृत करना। यह एक ऐसी सैन्य संरचना है, जो विभिन्न सैन्य शाखाओं के बीच समन्वय और दक्षता को बढ़ाएगी। सैन्य क्षेत्र में थिएटर कमान में 'थियेटर' का मतलब एक 'विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र' से है, जहां सैन्य अभियान या ऑपरेशन किए जाते हैं। यह एक ऐसा क्षेत्र होता है जहां युद्ध, सैन्य रणनीति, या सुरक्षा से संबंधित गतिविधियां केंद्रित होती हैं। 'थियेटर' शब्द का उपयोग सैन्य संदर्भ में इसलिए किया जाता है क्योंकि यह एक युद्ध क्षेत्र या ऑपरेशनल क्षेत्र को दर्शाता है, जैसे कि एक नाटक के मंच की तरह, जहां सभी नाटक के सभी भागों,आयामों, पहलुओं की गतिविधियां एक निर्देशक के निर्देश में समन्वित एवं सुचारु रूप से सम्पन्न होती हैं। थियेटर कमांड की स्थापना एकीकृत बल प्रयोग, परिचालन दक्षता और संसाधनों के अधिकतम उपयोग के लिए रक्षा मंत्रालय का 2025 के लिए चुने गए नौ क्षेत्रों में से एक है, जिसे मंत्रालय ने 'सुधारों का वर्ष' घोषित किया है। राजपत्र में अधिसूचित संदर्भ के अनुसार, यह अधिनियम थियेटर कमांड की स्थापना के लिए कानूनी आधार प्रदान करता है। इस अधिनियम से तीन भौगोलिक कमान (उत्तरी, पश्चिमी, समुद्री) प्रस्तावित किए गए हैं। लखनऊ में चीन-केंद्रित उत्तरी थियेटर कमान, जयपुर में पाकिस्तान-केंद्रित पश्चिमी थियेटर कमान और तिरुवनंतपुरम में हिन्द महासागर या तटीय थियेटर कमान स्थापित करने का प्रस्ताव है, जो 'एक सीमा, एक बल' की अवधारणा के अनुरूप होगा। प्रत्येक थियेटर कमान में सेना, नौसेना, और वायुसेना की इकाइयां एकीकृत रूप से काम करती हैं, ताकि उस क्षेत्र में सैन्य रणनीति को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। कमान का सर्वोच्च अधिकारी 'थियेटर कमांडर' होता है जो एक सैन्य अधिकारी होता है, जो एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र (थियेटर ऑफ ऑपरेशन) में सैन्य अभियानों का नेतृत्व करता है। और उस क्षेत्र में सभी सैन्य बलों (सेना, नौसेना, वायुसेना) के संचालन को समन्वयित करता है। यह एक परिचालन कमांडर की (ऑपरेशनल) भूमिका है, जो युद्ध या संकट के दौरान रणनीति और कमान को लागू करती है। इन कमानों के लिए चुने गए थियेटर कमांडर सामान्य रूप से थलसेना से लेफ्टिनेंट जनरल, नौसेना से वाइस एडमिरल या वायुसेना से एयर मार्शल स्तर का अधिकारी हो सकता है, जिसे कमांड की जिम्मेदारी दी जाएगी। यह एक एग्जीक्यूटिव पद है, जो विशिष्ट थियेटर के लिए ही गठित होगी, स्थायी नहीं। पहले के सशस्त्र बलों के कानूनी ढांचे में त्रि-सेवा मामलों में निश्चित विधिक सीमाएं निर्धारित थीं, क्योंकि एक सेवा के अधिकारी को दूसरी सेवा के कर्मियों पर अनुशासनात्मक और प्रशासनिक शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार नहीं था। उदाहरण के लिए, एक संयुक्त कमांड का नेतृत्व करने वाला तीन-सितारा जनरल अपने अधीन सेवा करने वाले वायुसेना या नौसेना कर्मियों न कोई निर्देश दे सकता था न ही उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं कर सकता था। ऐसी शक्तियों की कमी का कमांड, नियंत्रण और अनुशासन पर सीधा प्रभाव पड़ता था। थियेटर कमानों की स्थापना से अब स्थिति बदल जाएगी। थियेटराइजेशन अभियान का नेतृत्व रक्षा स्टाफ के प्रमुख (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान कर रहे हैं। दुनिया के कई देशों की रक्षा सेवाओं में थियेटर कमांडर का पद या इसके समकक्ष संरचना मौजूद है, खासकर उन देशों में जिनके पास बड़े और संगठित सैन्य बल हैं, वे एकीकृत सैन्य अभियानों के लिए थियेटर कमांड सिस्टम का उपयोग करते हैं। चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी में 2016 से पांच थियेटर कमांड हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में थियेटर कमांडर की भूमिका को 'जियोग्राफिक कम्बैटेंट कमांडर' कहा जाता है। रूस में थियेटर कमांडर की अवधारणा सैन्य जिलों (मिलिट्री डिस्ट्रिक्ट) के रूप में है। जापान की सेल्फ-डिफेंस फोर्सेस में क्षेत्रीय कमांड हैं, लेकिन ये थियेटर कमांडर की तुलना में कम एकीकृत हैं। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बलों में ऑपरेशनल कमांड होते हैं, लेकिन थियेटर कमांडर का पद नहीं है। पाकिस्तान की सेना में क्षेत्रीय कोर कमांडर होते हैं, जो कुछ हद तक थियेटर कमांडर की भूमिका निभाते हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल 2025 को मिलेगा नया चैंपियन, फाइनल में भिड़ेंगी आरसीबी और पंजाब किंग्स

- 3 जून को अहमदाबाद में होगा खिताबी मुकाबला, दोनों टीमें पहली बार जीत के लिए करेंगी जंग

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) को आठ साल बाद नया चैंपियन मिलने जा रहा है। रविवार रात अहमदाबाद में हुए क्वालिफायर-2 में पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को हराकर फाइनल में जगह बना ली। अब 3 जून को फाइनल मुकाबले में पंजाब का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। खास बात यह है कि आईपीएल के इतिहास में न तो आरसीबी और न ही पंजाब कभी खिताब जीत पाई हैं। ऐसे में इस बार ट्रॉफी किसी नई टीम के नाम होगी।

चौथी बार फाइनल खेलेगी आरसीबी, अब तक तीन बार रनर-अप रही है- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का यह चौथा आईपीएल फाइनल होगा। इससे पहले टीम 2009, 2011 और 2016 में फाइनल में पहुंच चुकी है, लेकिन तीनों बार हार का सामना करना पड़ा। 2009 में डेक्कन चार्जर्स, 2011 में चेन्नई सुपर किंग्स और 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों उन्हें खिताब गंवाना पड़ा था।

दूसरी बार फाइनल में पहुंची पंजाब किंग्स, बदली किस्मत- पंजाब किंग्स (पूर्व नाम किंग्स इलेवन पंजाब) दूसरी बार आईपीएल फाइनल में पहुंची है। इससे पहले टीम 2014 में फाइनल में पहुंची थी, जहां उसे कोलकाता नाइट राइडर्स से हार का सामना करना पड़ा था। 2011 से प्लेऑफ की शुरुआत के बाद से 2024 तक पंजाब सिर्फ एक बार ही प्लेऑफ में पहुंची थी। इस बार टीम ने लीग स्टेज में दमदार प्रदर्शन कर नंबर-1 पर रहते हुए प्लेऑफ में एंट्री ली और अब फाइनल में पहुंची है।

श्रेयस अय्यर ने रचा इतिहास, तीन टीमों को दिलाई फाइनल में जगह- पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने एक खास रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह आईपीएल इतिहास के पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने तीन अलग-अलग टीमों को फाइनल तक पहुंचाया है। 2020 में उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल में पहुंचाया था, 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब जिताया और अब 2025 में पंजाब को फाइनल तक लाने में सफल रहे हैं।

लीग स्टेज में टॉप-2 रहीं दोनों टीमें, क्वालिफायर में भी कांटे की टक्कर- पंजाब और आरसीबी दोनों ने लीग स्टेज में शानदार प्रदर्शन किया। दोनों टीमों ने 14 में से 9 मैच जीते, 4 हारे और एक मैच बेनतीजा रहा। नेट रन रेट में भी दोनों में मामूली अंतर था। लीग स्टेज में पंजाब ने बेंगलुरु को उनके होम ग्राउंड पर हराया था, जबकि आरसीबी ने रिवर्स फिक्सचर में मुल्लांपुर में जीत दर्ज की थी। क्वालिफायर-1 में दोनों टीमों की भिड़ंत हुई थी, जहां आरसीबी ने पंजाब को सिर्फ 101 रन पर समेटकर 10 ओवर शेष रहते मैच जीत लिया और सीधे फाइनल में पहुंच गई। वहीं पंजाब ने क्वालिफायर-2 में मुंबई को हराकर फाइनल का टिकट हासिल किया। अब सभी की निगाहें 3 जून को अहमदाबाद में होने वाले आईपीएल 2025 के फाइनल पर टिकी होंगी, जहां क्रिकेट प्रेमियों को एक नया चैंपियन देखने को मिलेगा।

बुमराह बोले, प्रतिस्पर्धी होना चाहिये, अति आक्रामकता की जरुरत नहीं

मुम्बई। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क को करारा जवाब दिया है। क्लार्क ने कहा था कि कोई 150 किमी प्रति घंटे की गति से गेंदबाजी करने के बाद बाद भी मैदान पर सबसे अच्छा आदमी बना रहा सकता है। जिसके जवाब में बुमराह ने कहा कि मेरे अंदर प्रतिस्पर्धी भावना है। इसलिए मैं जीतने के लिए खेलता हूं पर अपनी सीमा को पार नहीं करता। साथ ही कहा कि आपको प्रतिस्पर्धी होना चाहिए पर अति आक्रामक होने की भी जरूरत नहीं है। माना जा रहा है कि बुमराह ने अपने जबाव में नाम लिए बिना ही विराट कोहली की आक्रामक शैली पर निशाना साधा है जिसने प्रशंसक हैरान है। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें क्लार्क हंसते हुए नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि विराट मैदान पर आक्रामकता के लिए जाने जात हैं। उनकी तीव्र ऊर्जा, साहसिक उत्सव, और निडर टकराव उन्हें शानदार क्रिकेटर बनाने हैं। वह अपनी आक्रामकता से टीम का मनोबल बढ़ाते हैं और विरोधियों पर काफी दबाव बनाते हैं। दूसरी ओर, बुमराह ने अपनी शांत और पेशेवर शैली से मैदान पर अलग ही पहचान बनाई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह तीव्रता के साथ खेलते हैं, लेकिन बिना बात के नाटक या आक्रामकता नहीं दिखाते। आईपीएल में भी बुमराह ने शानदार गेंदबाजी कर अपने को साबित किया है। गेंदबाज क्यों हैं। गुजरात टाइटन्स और मुंबई इंडियंस के बीच एलिमिनेटर मुकाबले में भी बुमराह ने शानदार गेंदबाजी की है।

मैक्सवेल ने एकदिवसीय क्रिकेट को अलविदा कहा

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। अब वह अपना ध्यान टी20ई पर केंद्रित करेंगे, विश्व कप 2026 में होना है। मैक्सवेल ने अंतिम बार कदिवसीय अंतराष्ट्रीय टूर्नामेंट की बात करें तो इस साल चैंपियंस ट्रॉफी खेला था। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वह आईपीएल 2025 में उतरे लेकिन चोट के कारण कुछ ही मैचों के बाद बाहर हो गये थे। 2012 में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले मैक्सवेल दो बार विश्वकप विजेता टीम के सदस्य रहे हैं। उन्होंने अपने करियर के दौरान 149 एकदिवसीय मैचों में 4000 रन बनाए हैं। वहीं 79 विकेट लिए हैं। मैक्सवेल बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही समान रुप से प्रभावी रहे हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ 2023 विश्व में में उन्होंने कठिन हालातों में दोहरा शतक लगाया था। मैक्सवेल ने अपने संन्यास को लेकर मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली को भी पहले ही जानकारी दे दी थी। फरवरी-मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान मैक्सवेल ने कहा था कि वह 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक नहीं खेल पाएंगे ऐसे में उनके लिए आगे खेलना बेकार है। मैक्सवेल ने कहा, मैंने उसी समय उनसे कह दिया था कि मुझे नहीं लगता कि मैं 2027 एकदिवसयी विश्व कप में खेल सकूंगा। मैक्सवेल ने कहा कि अब समय आ गया है कि वह युवाओं को अवसर दे ताकि भविष्य के लिए टीम तैयार हो सके। साथ ही कहा कि अब मेरी जगह पर उन युवाओं के लिए योजना बनाई जाए जिन्हें 2027 विश्व कप के लिए स्थान मिलेगा।

अर्शदीप इसे मानते हैं अपना सबसे अच्छा मुकाबला

अहमदाबाद। आईपीएल के सत्र में पंजाब किंग्स की ओर से शानदार गेंदबाजी करने वाले पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि उनका अब तक सबसे अच्छा मुकाबला 2023 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ रहा था। इसमें उन्होंने 215 रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए 29 रन देकर चार विकेट लिए थे। इससे में तिलक वर्मा और नेहल वढेरा के मिडिल स्टंप को लगातार दो गेंदों पर आधा तोड़ना भी शामिल था। बांए हाथ के इस गेंदबाज ने कहा, जब मैंने पहली बार डेब्यू किया था। लेकिन मुझे लगता है कि सबसे अच्छा मैच वानखेड़े में मुंबई इंडियंस के खिलाफ था। मुंबई इंडियंस 220 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही थी और मैंने चार विकेट लिए और हमने मैच जीत लिया। इसलिए यह मेरे दिल के बहुत करीब है। अर्शदीप ने कहा कि दबाव की स्थिति में अपनी टीम के भरोसा किए जाने पर उन्हें अच्छा लगता है और जिम्मेदारी से खुशी होती है। उन्होंने कहा, उस समय, मैं दबाव महसूस न करने और उस पल का आनंद लेने और टीम के लिए अच्छे परिणाम लाने के प्रयास करता हूं हालांकि ऐसा कुछ मौकों पर नहीं होता है पर मैं कोशिश करता हूं कि इसका मुझ पर असर न पड़े और जब मुझे अगले मैच में अवसर मिलता है, तो मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता हूं और टीम के लिए मैच जीतता हूं। उन्होंने कहा, मैं आने वाले सत्र में भी पंजाब की ओर से अच्छा प्रदर्शन करके पंजाब किंग्स के लिए एक विरासत बनाने के प्रयास करुंगा।

आईपीएल तक पहुंचने वाले गाजीपुर के पहले खिलाड़ी हैं अश्वनी

लखनऊ। आईपीएल में के इस सत्र में गाजीपुर के अश्वनी राय सनराइजर्स हैदराबाद के नेट गेंदबाज के तौर पर उतरे। एक छोटे से शहर से निकलकर आईपीएल जैसी बड़ी लीग में जगह बनाने वाले अश्वनी पहले खिलाड़ी हैं। सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें आईपीएल 2025 सत्र के लिए नेट बॉलर के रूप में शामिल किय था। अश्वनी को भले ही खेलने का अवसर नहीं मिला पर उन्होंने अपनी पहचान जरुर बनायी है। 17 साल के अश्वनी दाएं हाथ के मध्यम तेज गति के गेंदबाज हैं। उनकी गेंदबाज़ी में ताकत धीमी और ऑफ-कटर गेंदें हैं। अभ्यास सत्र में उन्होंने ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा और कप्तान पेट कमिंस जैसे बड़े बल्लेबाज़ों को गेंदबाज़ी की जिससे उनका मनोबल बढ़ा है। अश्वनी के अनुसार अभिषेक शर्मा ने उनकी धीमी ओन वाली गेंदों की प्रशंसा की। इसके साथ ही तेज गेंदों पर भी ध्यान देने को कहा। इस सत्र में डेनियल विटोरी जैसे अनुभवी गेंदबाजी कोच की सला भीअश्वनी को मिली। उन्हें कलाई की पोजिशन और रनअप पर विशेष टिप्स मिले। उन्होंने हर दिन सुबह 3 से 9 बजे तक अभ्यास किया। अश्विनी के अनुसार इस सफर में उन्हें माता-पिता से भी पूरा सहयोग मिला। गाजीपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष शाश्वत सिंह, ने भी उनकी सहायता करते हुए सनराइजर्स से जुड़ने का अवसर दिलाया।

व्यापार

उतार-चढ़ाव के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स व निफ्टी ने निचले स्तर से की रिकवरी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को दिनभर उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोर रही थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का जोरदार दबाव बन जाने के कारण पहले आधे घंटे में ही शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिसके कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले शेयर बाजार कुछ देर के लिए हरे निशान में भी पहुंचा। हालांकि आखिरी वक्त में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण शेयर बाजार दोबारा लाल निशान में गिर गया। दिनभर हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज के दिन कारोबार के दौरान रियल्टी, एफएमसीजी और पीएसयू बैंक सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, हेल्थ केयर और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर आईटी, मेटल और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में पूरे दिन बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.58 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज हुई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 445.24 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 444.19 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.05 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,287 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,130 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,991 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 166 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,640 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,386 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,254 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर बढ़त के साथ और 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 236.59 अंक की कमजोरी के साथ 81,214.42 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण पहले 20 मिनट में ही ये सूचकांक 796.75 अंक टूट कर 80,654.26 अंक तक गिर गया। इस बड़ी गिरावट के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाना शुरू कर दिया, जिसके कारण धीरे-धीरे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के आधा घंटा पहले ये सूचकांक निचले स्तर से 800 अंक से अधिक की रिकवरी करके 23.25 अंक की मजबूती के साथ 81,474.26 अंक तक पहुंचने में सफल हुआ। हालांकि इसके बाद एक बार फिर बाजार में दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स 77.26 अंक की कमजोरी के साथ 81,373.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 81 अंक टूट कर 24,669.70 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 224.55 अंक गिर कर 24,526.15 अंक के स्तर तक आ गया। पहले आधे घंटे में आई इस गिरावट के बाद बाजार में खरीदारी शुरू हो गई, जिसकी वजह से निफ्टी की चाल सुधरने लगी।

केंद्र ने इलेक्ट्रिक यात्री वाहन विनिर्माण योजना के लिए दिशा-निर्देश जारी किए

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारत में इलेक्ट्रिक यात्री कारों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना के लिए दिशा-निर्देश अधिसूचित किए हैं। यह योजना ईवी यात्री कार क्षेत्र में वैश्विक निर्माताओं से नए निवेश को सक्षम करेगी और भारत को ई-वाहनों के लिए वैश्विक विनिर्माण गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने में मदद करेगी। भारी उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर विशेष ध्यान देते हुए यात्री कारों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक दूरदर्शी योजना को मंजूरी दी है। ये ऐतिहासिक पहल 2070 तक नेट जीरो हासिल करने, टिकाऊ गतिशीलता को बढ़ावा देने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के भारत के राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप है। मंत्रालय के मुताबिक इस योजना के तहत आवेदन आमंत्रित करने के लिए नोटिस जल्द ही जारी किया जाना प्रस्तावित है, जिसके तहत संभावित आवेदक ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकेंगे। यह योजना वैश्विक ईवी निर्माताओं से निवेश आकर्षित करने और भारत को ई-वाहनों के विनिर्माण गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने में मदद करेगी। यह योजना भारत को ईवी के विनिर्माण के लिए वैश्विक मानचित्र पर लाने, रोजगार पैदा करने और "मेक इन इंडिया" के लक्ष्य को प्राप्त करने में भी मदद करेगी। इस योजना के तहत वैश्विक निर्माताओं को निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, स्वीकृत आवेदकों को आवेदन स्वीकृति तिथि से 5 वर्ष की अवधि के लिए 15 फीसदी की कम सीमा शुल्क पर न्यूनतम 35,000 अमेरिकी डॉलर के सीआईएफ मूल्य के साथ ई-4डब्ल्यू की पूरी तरह से निर्मित इकाइयों (सीबीयू) का आयात करने की अनुमति दी जाएगी। स्वीकृत आवेदकों को योजना के प्रावधानों के अनुरूप न्यूनतम 4,150 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। यह योजना भारत को ईवी के विनिर्माण के लिए वैश्विक मानचित्र पर लाने, रोजगार सृजन करने और "मेक इन इंडिया" के लक्ष्य को प्राप्त करने में भी मदद करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर विशेष ध्यान देते हुए यात्री कारों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक दूरदर्शी योजना को मंजूरी दी है। इसे भारत को ऑटोमोटिव विनिर्माण और नवाचार के लिए एक प्रमुख वैश्विक गंतव्य के रूप में मजबूती से स्थापित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

कमजोर लिस्टिंग के बाद संभले एजिस वोपैक के शेयर, पहले दिन निवेशकों को 2.98 प्रतिशत का फायदा

नई दिल्ली। लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस के लिए स्टोरेज टर्मिनल को ऑपरेट करने वाली कंपनी एजिस वोपैक टर्मिनल्स लिमिटेड के शेयरों की आज शेयर बाजार में काफी निराशाजनक एंट्री हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने इस शेयर को हाथों-हाथ लिया, जिसके कारण कुछ ही देर में ये शेयर उछल कर इश्यू प्राइस से ऊपर चला गया। आईपीओ के तहत कंपनी ने 235 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयर 6.38 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 220 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। स्टॉक मार्केट में बड़ी गिरावट के साथ लिस्ट होने के बाद खरीदारों ने कंपनी के शेयरों की लिवाली शुरू कर दी, जिसके कारण इस शेयर की चाल में भी तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के बीच में यदा-कदा मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली भी होती रही। इसके बावजूद ये शेयर लगातार ऊपर चढ़ता गया। बाजार में हो रही खरीदारी के सपोर्ट से पूरे दिन के कारोबार के बाद एजिस वोपैक टर्मिनल्स लिमिटेड के शेयर 7 रुपये की बढ़त के साथ 242 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को आज पहले दिन के कारोबार से ही 2.98 प्रतिशत का फायदा हो गया। एजिस वोपैक टर्मिनल्स लिमिटेड का 2,800 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने के बाद 28 मई को बंद हुआ था। ये आईपीओ 2.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ लॉन्च करने के पहले कंपनी ने एंकर इन्वेस्टर से भी 1,260 करोड़ रुपये जुटाए थे। आईपीओ के तहत 11.91 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ से मिले पैसे का इस्तेमाल कंपनी के पुराने कर्ज को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में किया जाएगा।

टेस्ला को भारत में इलेक्ट्रिक कार बनाने में कोई दिलचस्पी नहीं: कुमारस्वामी

नई दिल्ली। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने सोमवार को कहा कि वैश्विक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) दिग्गज टेस्ला भारत में कारों के निर्माण में दिलचस्पी नहीं रखती है, लेकिन देश में शोरूम स्थापित करने की इच्छुक है। उन्होंने कहा कि मर्सिडीज बेंज, फॉक्सवैगन-स्कोडा, हुंडई की भारत में इलेक्ट्रिक वाहन बनाने में रूचि है। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री ने यहां भारत में इलेक्ट्रिक कारों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना के लिए दिशा-निर्देशों के अनावरण की घोषणा करने के लिए आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। कुमारस्वामी ने कहा कि मर्सिडीज बेंज, स्कोडा-फॉक्सवैगन, हुंडई और किआ सहित वैश्विक वाहन निर्माता कंपनियों ने भारत में इलेक्ट्रिक कारों के विनिर्माण में रुचि दिखाई है। टेस्ला केवल शोरूम शुरू करने में अधिक (रुचि रखते हैं)। वे भारत में विनिर्माण (शुरू) करने में रुचि नहीं रखते हैं।" यह योजना ईवी यात्री कार सेगमेंट में वैश्विक निर्माताओं से नए निवेश को सक्षम करेगी और भारत को इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए वैश्विक विनिर्माण गंतव्य के रूप में बढ़ावा देगी। एच. डी. कुमारस्वामी ने कहा कि इन कंपनियों ने 'भारत में इलेक्ट्रिक यात्री कारों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना' के संबंध में सरकार और उद्योग के बीच बातचीत के दौरान रुचि जताई है। योजना के बारे में जारी विस्तृत दिशा-निर्देश के बारे में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हमने भारत को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के लिए वैश्विक केंद्र बनाने के लिए एक ऐतिहासिक ईवी विनिर्माण योजना शुरू की है। कुमारस्वामी ने बताया कि 4,150 करोड़ रुपये के निवेश अधिदेश के साथ यह मेक इन इंडिया की दिशा में एक कदम एक स्वच्छ, मजबूत भविष्य के लिए है। इस अवसर पर भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव कामरान रिजवी और मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव डॉ. हनीफी कुरैशी भी मौजूद थे।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक 4 जून से, रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती संभव

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) महंगाई दर के चार फीसदी के औसत लक्ष्य से नीचे बने रहने के कारण लगातार तीसरी बार नीतिगत ब्याज दर में 0.25 फीसदी की और कटौती कर सकता है, ताकि अमेरिकी टैरिफ से उत्पन्न वैश्विक अनिश्चितता के बीच विकास को बढ़ावा दिया जा सके। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक 4 जून, बुधवार को रिजर्व बैंक गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में होगी। इस बैठक के फैसलों का ऐलान 6 जून, शुक्रवार आरबीआई गवर्नर करेंगे। जानकारों का कहना है कि आरबीआई इस बार भी नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। आर्थिक मामलों के जानकारों को मानना है कि मौजूदा समय में महंगाई दर संतुलित स्थिति में है। रिजर्व बैंक ने तरलता की स्थिति को कई उपायों के माध्यम से काफी सहज बना दिया है। ऐसे में उम्मीद है कि आरबीआई 4-6 जून तक चलने वाली एमपीसी की बैठक में रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती का निर्णय ले सकती है। इसके अलावा इस बैठक में आरबीआई अपनी विकास दर और महंगाई दर के अनुमान को भी संशोधित कर सकता है। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली और बीते वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम एमपीसी बैठक यानी इस साल फरवरी और अप्रैल में लगातार दो बार प्रमुख नीति गत ब्याज दर (रेपो रेट) में 0.25-0.25 फीसदी की कटौती की, जिससे यह 6.50 फीसदी से घटकर 6 फीसदी पर आ गई है।

दिव्या खोसला की फिल्म सावी ने पूरे किए एक साल

एक्ट्रेस ने किया यादगार किरदार का जश्न

दिव्या खोसला की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'सावी को आज रिलीज हुए पूरा एक साल हो गया है। इस मौके पर दिव्या ने फिल्म और उसमें निभाए गए अपने शक्तिशाली किरदार को याद करते हुए खास जज्बात जाहिर किए हैं। अभिनय देव के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक साधारण गृहिणी की कहानी है, जो अपने पति को झूठे हत्या के आरोपों से बचाने के लिए किसी भी हद तक जाती है। दिव्या ने इस भूमिका को अपने करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण और यादगार भूमिकाओं में से एक बताया। फिल्म की सालगिरह पर दिव्या खोसला ने कहा, सावी मेरे दिल के बेहद करीब है और हमेशा खास रहेगी। ऐसा लग रहा है जैसे कल ही हम हर्षवर्धन राणे, अनिल कपूर और हमारे निर्देशक अभिनय देव के साथ शूट कर रहे थे। यह किरदार निभाना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन मुझे पता था कि यह रोल मुझे करना है एक ऐसी पत्नी का जो अपने पति को बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। आगे दिव्या कहती हैं, मेरे लिए इससे बड़ी मान्यता

कोई नहीं हो सकती थी कि मैंने ऐसा किरदार चुना जो दर्शकों से जुड़ गया और फिल्म की व्यावसायिक सफलता में योगदान दिया। मुझे खुशी है कि मैंने यह प्रोजेक्ट किया। 'सावी में दिव्या की परफॉर्मेंस को भावनात्मक दृश्यों, तीखे संवादों और रोमांचक क्लाइमैक्स के लिए खूब सराहा गया। दर्शकों को उनके अभिनय में संवेदनशीलता और ताकत दोनों का अद्भुत संतुलन देखने को मिला, जिसने उन्हें स्क्रीन से बांधे रखा। यह फिल्म दिव्या के करियर में एक नया अध्याय जोड़ने वाली साबित हुई, जिसमें उन्होंने अपने परंपरागत छवि से हटकर एक बोल्ड और बहुआयामी किरदार निभाया। 'सावी की सफलता के बाद अब दिव्या खोसला निर्देशक प्रेर्णा अरोड़ा के साथ एक नए प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। हालांकि इस प्रोजेक्ट का नाम और विवरण अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन इस जोड़ी की नई साझेदारी ने पहले से ही फैंस में उत्सुकता बढ़ा दी है। दिव्या के फैंस को अब इस नए प्रोजेक्ट की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है, जो उनके करियर को एक और नया मुकाम दिला सकता है।

ब्लैक फ्लॉरल कटआउट ड्रेस में मानुषी छिल्लर ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान, फैंस हुए लट्टू

मिस वर्ल्ड रह चुकीं और बॉलीवुड की उभरती हुई एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर एक बार फिर अपने हॉट और ग्लैमरस अंदाज से सोशल मीडिया पर छा गई हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वह ब्लैक फ्लॉरल कटआउट ड्रेस में कहर ढा रही हैं. इन तस्वीरों में उनका अंदाज काफी अट्रैक्टिव और स्टनिंग लग रहा है. इस लेटेस्ट फोटोशूट में मानुषी ने एली इंडिया के लिए पोज़ दिया है और कैप्शन में लिखा है – सावधानी से संभालें . उनका यह स्टेटमेंट और लुक दोनों ही सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. सेलेब्स से लेकर फैन्स तक सभी उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. ड्रेस की बात करें तो यह एक ब्लैक लेसी कटआउट ड्रेस है जिसमें 3डी फ्लोरल डिटेलिंग की गई है. ड्रेस उनके फिगर को बेहद खूबसूरती से कॉम्प्लिमेंट कर रही है. न्यूड मेकअप, स्टेटमेंट इयररिंग्स और बन हेयरस्टाइल ने उनके लुक को और भी ग्लैमरस बना दिया है. मानुषी छिल्लर की ये फोटोज़ कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स बटोर चुकी हैं. अर्जुन कपूर समेत कई सेलेब्स ने भी उनके लुक पर रिएक्ट किया है. कमेंट सेक्शन में एक यूजर ने लिखा - एक बल जबकि किसी ने कहा - आप हमेशा की तरह अद्भुत लग रहे हैं! मानुषी का यह बोल्ड और एलिगेंट लुक यह साबित करता है कि वह न केवल ब्यूटी क्वीन हैं बल्कि आने वाले वक्त की स्टाइल आइकन भी हैं.

ऋतिक रोशन और होम्बाले फिल्म्स की नई साझेदारी, पैन-इंडिया प्रोजेक्ट का ऐलान

ऋ तिक रोशन ने ऑफिशियली तौर पर होम्बेल फिल्म्स के साथ एक अपकमिंग प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है, जो कि काफी एक्साइटिंग है. स्टूडियो ने फिल्म को धैर्य, भव्यता और गौरव से भरी कहानी बताया है, जो शक्तिशाली भावनाओं और क्रिएटीव कहानी होने का वादा करता है. मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक नोट पोस्ट किया, जिसमें लिखा था, वे उन्हें ग्रीक गॉड कहते हैं, उन्होंने दिलों पर राज किया है, सीमाओं को तोड़ा है और हम देखते हैं कि वह वास्तव में क्या हैं. हम सालों की मेहनत से बने इस कोलेबोरेशन के लिए होम्बले परिवार में ऋतिक रोशन का स्वागत करते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं. धैर्य, भव्यता और गौरव की एक कहानी सामने आने वाली है, द बिंग बैंग की शुरुआत. ऋतिक ने भी इस प्रोजेक्ट को लेकर अपना एक्साइटमेंट दिखाया है. उन्होंने कहा, होम्बले पिछले कुछ सालों से बेहतरीन कहानियां पेश कर रहा है. मैं उनके साथ कोलेब करने और अपने फैंस को खास सिनेमैटिक एक्सपीरियंस देने के लिए एक्साइटेड हूं. हम बड़े सपने देख रहे हैं और इस विजन को रियल बनाने के लिए तैयार हैं. होम्बले फिल्म्स के फाउंडर विजय किरागंदूर ने भी अपने विचार व्यक्त किए और कहा, इस कोलेबोरेशन से बहुत खुश हूं, होम्बले फिल्म्स में, हमारा उद्देश्य ऐसी कहानियां बताना है जो इंस्पायर करती हैं. ऋतिक रोशन के साथ काम करना उस विजन को साकार करने की दिशा में एक कदम आगे है, एक ऐसी फिल्म बनाना जो अलग सिनेमैटिक एक्सपीरियंस दे. होमबेल फिल्म्स ने केजीएफ चैप्टर 1 और 2, सलार: पार्ट 1 - सीजफायर और कांतारा जैसी बड़ी पैन इंडिया हिट फिल्में दी हैं. उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल करने के लिए जानी जाती हैं. ऋतिक अपकमिंग फिल्म वॉर 2 में नजर आएंगे, अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित वॉर 2 में जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी भी अहम रोल में हैं. यह फिल्म एक स्पाई थ्रिलर है जिसमें कबीर (ऋतिक रोशन) और नटराज (जूनियर एनटीआर) एक बिल्ली और चूहे के पीछा में उलझे हुए हैं. यह फिल्म जूनियर एनटीआर की मोस्ट अवेटेड बॉलीवुड डेब्यू है. जूनियर एनटीआर के जन्मदिन पर रिलीज किए गए टीजर में जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस, हाई-स्टेक फाइट सीन और एक एंटरटेनिंग कहानी को दिखाया गया है, जो दो लीड एक्टर के बीच एपिक फेस ऑफ के लिए मंच तैयार करता है.

फिल्म हाउसफुल 5 पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची, आइटम और हराम शब्दों में किया गया बदलाव

लोकप्रिय कॉमेडी फ्रैंचाइजी हाउसफुल की पांचवीं किस्त हाउसफुल 5 अभिनेता अक्षय कुमार की ही नहीं, बल्कि इस साल की भी बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। उनकी यह फिल्म 6 जून, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। अक्षय के साथ इस फिल्म में रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, श्रेयस तलपड़े, नाना पाटेकर और जैकी श्रॉफ सहित कई दिग्गज कलाकार नजर आएंगे। ताजा खबर यह है कि हाउसफुल 5 को सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिल गई है। रिपोर्ट के अनुसार, हाउसफुल 5 को सेंसर बोर्ड की तरफ से यू/ए सर्टिफिकेट मिल गया है। इसका मतलब यह है कि इस फिल्म को हर उम्र के लोग देख सकते हैं और 12

साल से कम उम्र के बच्चों को किसी व्यस्क के साथ फिल्म देखनी होगी। इस फिल्म की अवधि 2 घंटे, 45 मिनट और 48 सेकंड है। हालांकि, यू/ए सर्टिफिकेट मिलने के साथ हाउसफुल 5 पर सेंसर बोर्ड की कैंची भी चली है। सेंसर बोर्ड ने निर्माताओं को फिल्म में कुछ बदलाव करने की सलाह दी है। आइटम और हराम शब्दों को उपयुक्त शब्दों से बदल दिया गया है। इसके साथ सेंसर बोर्ड ने फिल्म के 1 घंटे 53 मिनट के एक डायलॉग को हटाने के लिए कहा गया है। फिल्म में 3 दृश्य हटा दिए गए हैं। कामुक दृश्यों वाले सीन को 2 सेकंड कम किया गया है। बता दें कि हाउसफुल 5 के निर्देशन की कमान तरुण मनसुखानी ने संभाली है।

निकिता रॉय की नई रिलीज डेट घोषित, 27 जून को रिलीज होगी सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म

सोनाक्षी सिन्हा की बहुप्रतीक्षित थ्रिलर फिल्म निकिता रॉय की नई रिलीज डेट सामने आ गई है। इस खुशखबरी को खुद सोनाक्षी सिन्हा ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। सोनाक्षी सिन्हा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट के जरिए फिल्म की नई रिलीज डेट का एलान किया है। सोनाक्षी ने फिल्म के पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, अपने कैलेंडर पर निशान लगा लें! हमारी रोमांचक थ्रिलर निकिता रॉय की अब नई रिलीज डेट आ गई है! 27 जून 2025 को बड़े पर्दे पर रहस्य का पर्दाफाश होते देखें! अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म है। सोनाक्षी के भाई कुश सिन्हा इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। पहले यह फिल्म 30 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। लेकिन अब यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में

सोनाक्षी के अलावा परेश रावल, सुहैल नय्यर और अर्जुन कपूर नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण निकी भगनानी, विक्की भगनानी और अंकुर टकरानी कर रहे हैं। निकिता रॉय के अलावा सोनाक्षी फिल्म जटाधारा के साथ टॉलीवुड में अपना डेब्यू करने वाली हैं। वेंकट कल्याण के निर्देशन में बनी इस ड्रामा सुपरनैचुरल फैंटेसी थ्रिलर में सुधीर बाबू मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। सुधीर और सोनाक्षी के अलावा फिल्म में शिल्पा शिरोडकर, रेन अंजलि और दिव्या विज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

बॉक्स ऑफिस पर भूल चूक माफ की पकड़ बरकरार, 8वें दिन कलेक्शन रहा दमदार

रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'भूल चूक माफ को सिनेमाघरों में रिलीज हुए आज पूरे एक हफ्ते से ऊपर हो गया है। जानिए, अब तक राजकुमार राव और वामिका की फिल्म ने कितने का कारोबार किया है। सैकनिल्क के मुताबिक, भूल चूक माफ ने पहले दिन 7 करोड़ रुपये के कलेक्शन से अपना खाता खोला। दूसरे दिन शनिवार को फिल्म ने 9.5 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म ने तीसरे दिन रविवार को 11.5 करोड़ रुपये की कमाई की और वहीं चौथे दिन फिल्म ने 4.5 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। पांचवें दिन मंगलवार को फिल्म ने 4.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। छठे दिन भूल चूक माफ ने 3.5 करोड़ रुपये का कारोबार

किया है। वहीं गुरुवार को सातवें दिन फिल्म ने 3.35 करोड़ रुपये की कमाई की है। वहीं फिल्म ने कुल मिलाकर पहले हफ्ते में 44.1 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। वहीं अब आठवें दिन का कलेक्शन भी सामने आ चुका है। फिल्म भूल चूक माफ का आज 8वें दिन का कलेक्शन भी सामने आ चका है। फिल्म ने 8वें दिन 3.15 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। वहीं फिल्म ने अब तक कुल मिलाकर 47.25 करोड़ रपये का कारोबार किया है। 'भूल चूक माफ थियटर्स में सिर्फ दो हफ्तों के लिए रिलीज हुई है। यह फिल्म 6 जून को ओटीटी प्राइम वीडियो पर रिलीज की जाएगी। अब फिल्म के पास कमाई के लिए बस एक हफ्ता और बचा है। क्या बचे इस एक हफ्ते में कोई कमाल दिखा पाएगी राजकुमार राव और वामिका की केमिस्ट्री। राजकुमार राव और वामिका गब्बी की फिल्म 'भूल चूक माफ कॉमेडी ड्रामा फिल्म है। फिल्म की कहानी टाइम लूप के कॉन्सेप्ट पर आधारित है। फिल्म में रंजन (राजकुमार राव) और तितली (वामिका गब्बी) की शादी के दिन ही कुछ ऐसा कमाल होता है कि समय अटक जाता है और फिर शुरु होती है असली कहानी। निर्देशक करण शर्मा की फिल्म 'भूल चूक माफ में राजकुमार राव और वामिका गब्बी अहम किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में राजकुमार राव और वामिका गब्बी के अलावा संजय मिश्रा, जाकिर हुसैन, सीमा पाहवा और रघुबीर यादव जैसे कई कलाकार भी हैं।

NSUI's agitation against BJP government's education policies intensifies, 18-day Shiksha Bachao Abhiyan begins

Dhamtari, NSUI (National Students Union of India) has opened a front against the alleged injustice being done to the education system. Dhamtari District NSUI President Raja Devangan strongly attacked the policies of the BJP government in a press conference held at Rajiv Bhawan and announced an 18-day agitation under the Shiksha Bachao Abhiyan. Raja Devangan said that the BJP government is planning to close 10,000 schools in the state in the name of rationalization, which is a direct attack on the right to education. He raised the question that when the government talks about recruiting 57,000 teachers, then why are the schools

being closed? He called it injustice to the children of poor, rural, tribal and remote areas. He further said that NSUI demands that the government should immediately start the recruitment process of 57,000 teachers in a transparent manner. If this was only an election slogan, then it is a betrayal of the youth. Raja Devangan also raised questions about the delay in the results of the CGCTET examination and said that even after more than a year, the results have not been released, due to which thousands of youth are facing mental and financial stress. He demanded that the government should immediately release the results and present the information about the reasons for the delay in the form of a report in the Lok Sabha. The NSUI also objected to the notice issued to government schools and Swami Atmanand Utkrishta Vidyalayas to pay electricity bills. Calling it the height of the government's insensitivity, Raja Dewangan asked how will children study without electricity, fans and lights? Calling the rationalization scheme a violation of the RTE Act, he said that under Section 21A of the Indian Constitution and the Right to Education Act, 2009, it is the duty of the state to provide free and compulsory education to every child between the ages of 6 and 14. Closing schools is not only against the spirit of this law, but also a violation of the fundamental rights of children. Raja Dewangan warned that if the government does not wake up, then a massive collectorate siege will be done on June 18, in which thousands of youth and national and state level leaders of NSUI will participate. Many NSUI workers including Naman Banjare, Jai Srivastava, Sudeep Sinha, Dharmendra Patel, Tameshwar Bhoyar were present in the press conference. Everyone said in one voice that this movement is for the students and the right to education and the struggle will continue until the government is not made accountable.

Advanced Krishi Sankalp Abhiyan started in Korba

, Korba, "Vikasit Krishi Sankalp Abhiyan" has been started to make the farmers of Chhattisgarh state self-reliant and technically empowered. The objective of this campaign is to promote innovation and scientific methods in the agricultural sector, so that farmers can move beyond traditional farming and benefit by adopting modern agricultural techniques. Campaign started in Korba district Three chariots have been prepared to successfully implement this campaign in Korba district as well. These chariots will reach many panchayats within 15 days and will make the farmers aware of the departmental schemes, latest technologies and solutions to agriculture related problems. The chariots flagged off from the Collector's complex These chariots were flagged off in a program organized at the Collector's complex. Each chariot will cover six panchayats by visiting two gram panchayats every day. Beneficial for farmers Under this campaign, farmers will be informed about the departmental schemes, so that they can make their farming more productive and profitable. Apart from this, information will also be given about the latest technologies, so that farmers can improve their farming. Solution to agriculture related problems During the campaign, the agriculture related problems of the farmers will also be resolved. This will solve the problems of the farmers and they will be able to make their farming more successful. Vikasit Krishi Sankalp Abhiyan in Korba: New direction for farmers "Vikasit Krishi Sankalp Abhiyan" has been started to make the farmers of Chhattisgarh state self-reliant and technically empowered. The objective of this campaign is to promote innovation and scientific methods in the agricultural sector, so that farmers can move beyond traditional farming and benefit by adopting modern agricultural techniques.

Millers are not showing interest in buying surplus paddy due to non-receipt of custom milling money.

- Not showing interest in buying 32 lakh MT paddy.
- Markfed has again issued tender for buying paddy on the basis of price matching.

Raipur, Markfed, the nodal agency for paddy purchase by the state government, has issued tender for buying surplus paddy of more than 35 lakh MT quintal. Rice millers are not ready to buy paddy at price matching rate. Rice mill owners say that we are not getting money for custom milling, so rice millers have come together. According to the information received, a cabinet sub-committee has been formed by the state government. In which the price of buying surplus paddy has been fixed, according to which surplus paddy will be sold at Rs. 1900 per quintal. Although the government support price is Rs. 2120 and including bonus, it comes

to about Rs. 3100 per quintal. This year, the state government has purchased 130 lakh metric tonnes of paddy, out of which 40 lakh tonnes is not being lifted from the storage centres. Markfed had issued tenders for lifting and auction of paddy from storage centres, in which rice millers of Raipur, Rajnandgaon, Durg and Balod have shown interest. So far, 10 stages of paddy have been sold. The average of which is 12 lakhs as per calculation. The remaining paddy could not be sold. This is the second time that the tender has been issued. Paddy worth crores will get spoiled as soon as it rains. According to Markfed officials, paddy is lying in various paddy storage centres at this time. But it is not being sold. The date of auction is fixed again and again but traders are not coming. According to the President of Rice Mill Association, traders are eager for paddy purchase but the amount given for custom milling is not being released due to which traders are worried. According to the traders, the government has fixed the rate for paddy purchase and milling but it is not being given yet, due to which the condition of the mill owners is getting worse. The operators of rice mills have appealed to the government to find a solution to this soon. The rainy season has started, in such a situation, the germination of paddy will start and paddy worth lakhs of rupees will be spoiled. Here, the liquor manufacturing company is also eager to buy paddy, but first it has to be cleaned, only after that other products will be made from it.

(Raipur) Counseling completed in 6 districts under rationalization, teachers got new posting

Raipur, 02 June (RNS). Under rationalization of teachers, the process of counseling of surplus 1498 assistant teachers, head teachers and lecturers of 6 districts of the state has been completed. Counseling was done on the basis of seniority of surplus teachers. New posting of these teachers has been issued. Counseling has been completed in Korba, Sukma, Mahasamund, Gariaband, Balodabazar and Surajpur. Counseling process is going on in Mungeli, Rajnandgaon, Balod and Durg districts. In counseling, teachers selected schools of their choice from the vacant seats. Out of the total 10,463 schools in the state, only 166 schools will be adjusted. Out of these 166 schools, 133 schools

are in rural areas, in which the number of students is less than 10 and another school is operating within one kilometer. Similarly, there are 33 schools in urban areas in which the number of students is less than 30 and another school is operating within a radius of 500 meters, due to this 166 schools are being adjusted for the purpose of better education. This will not affect the education of children in any situation. The remaining 10,297 schools will remain fully operational. Necessary adjustments are being made in them only at the administrative and educational level. The use of school buildings will continue as before and teachers will also be available wherever required.

Schools will get specialist teachers.Actually, the Chhattisgarh government is rationalizing schools and teachers to improve the quality of education in urban and rural areas of the state. Its purpose is to ensure better use of resources and teachers where the need is more. Those schools, which are not able to provide proper education due to less number of students, should be adjusted with nearby good schools, so that children can get better environment, resources and equal opportunity to study. This will provide more qualified and subject-wise specialist teachers to the children. Schools will get facilities. Facilities like library, lab, computer etc. will be available in schools.

3.15 MVA additional power transformer energized at a cost of Rs 75 lakh in Chikhlakasa electricity substation.

- About 3000 consumers will be benefited under the substation

Balod, Chhattisgarh State Power Distribution Company Limited is installing additional power transformers to provide uninterrupted power supply with adequate voltage to consumers under the Chief Minister's Electricity Infrastructure Development Scheme. In this connection, Chhattisgarh State Power Distribution Company Limited, Durg area, energized the 33/11 KV power substation Chikhlakasa under Dalli Rajhara Town Distribution Center located in Balod district by installing an

additional 3.15 MVA power transformer at a cost of Rs 75 lakh, due to which the capacity of the substation has increased to 13.15 MVA. With the completion of the said work, about 3000 consumers coming under the substation will get uninterrupted and quality power supply. It is worth mentioning that two 5-5 MVA power transformers are already installed in the substation. 3.15 MVA Due to installation of additional power transformer of 13.15 MVA, the capacity of substation has increased to 13.15 MVA, which will solve the problem of overload and provide uninterrupted power supply to the consumers.Executive Engineer of Transmission-Maintenance Division Balod, Mr. S.K.Bund said that due to installation of additional power transformer in the substation, about 3000 consumers of Dalli Rajhara will get relief from the problem of low voltage and overloading and high quality electricity will reach all the houses. He said that due to increase in the capacity of the power substation, consumers of Chikhlakasa, Mathura Nagar, Nirmala School area, Odia Para, Machhi Market, Tubular Set, Patel Colony, Shramveer Chowk, Bus Stand, Subhash Chowk, MBP Center Area will be benefited. Chief Engineer of Chhattisgarh State Power Distribution Company Limited Durg area, Mr. Sanjay Khandelwal, while congratulating Superintending Engineer Mr. Salil Kumar Khare, Executive Engineer Project Mr. D.K. Bharti and Executive Engineer STM Mr. P.K. Palsokar and their entire team, said that the officers and employees of the power company are working dedicatedly to provide quality electricity to the consumers. He said that by increasing the capacity of the substation, better power supply to the consumers can be ensured.

CORONA CASES IN INDIA REACH NEAR 4,000, 32 DEAD

New Delhi, Corona virus cases are increasing in India. The total number of patients here has reached near 4,000. According to the Ministry of Health, the total number of patients in India has been recorded at 3,961, in which 203 new patients have been detected in the last 24 hours.According to the ministry, 370 patients have recovered in the last 24 hours. So far 2,188 patients have recovered from the infection. The reason for the increase in corona is the COVID-19 variants NB.1.8.1 and LF.7. Talking about the last 24 hours, the highest number of 47 patients have been found in Delhi. After that 44 patients have been found in West Bengal. 35 patients have been found in Kerala, 21 in Maharashtra, 18 in Gujarat and 15 in Karnataka in 24 hours. So far, Kerala has reported the highest number of patients at 1,435. After this, 506 patients have been found in Maharashtra, 483 in Delhi, 338 in Gujarat, 333 in Bengal and 253 in Karnataka. Since

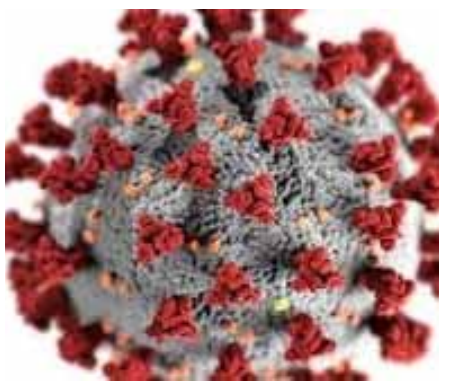

the coronavirus has spread once again, 32 patients have died so far. Of these, Maharashtra and Kerala have reported the highest number of deaths at 8 each. After this, Delhi and Karnataka have reported 4 deaths each, and Tamil Nadu, Uttarakhand and Uttar Pradesh have reported 2 deaths each. In the last 24 hours, 1 patient each has died in Delhi, Kerala, Maharashtra and Tamil Nadu.

One more chance will be given to fill the form of Mahtari Vandan Yojana, CM announced

Raipur, Forms of Mahtari Vandan Yojana will be filled again in Chhattisgarh. CM Vishnudev Sai has announced this. At present, about 70 lakh women of the state are getting the benefit of this scheme. There is a great good news for the women of Chhattisgarh. Chief Minister Vishnudev Sai has announced during a social program that women deprived of Mahtari Vandan Yojana will soon get a chance to fill the form again. At present, about 70 lakh women of the state are taking advantage of this scheme. This announcement of the Chief Minister has also raised hopes among those women who could not apply in the first phase due to some reason. This step reflects the commitment of the state government towards women empowerment and also indicates

that the benefits of the scheme will be extended to as many eligible women as possible. Mahtari Vandan Yojana form will be filled again. Actually, there is a relief news for the women who were left out of the ambitious Mahtari Vandan Yojana of the Chhattisgarh government. Chief Minister Vishnudev Sai announced in a social program that the forms of the scheme will be filled again soon. At present, about 70 lakh women of the state are benefiting from the scheme. The objective of the scheme is to provide financial assistance to women. By starting the application process again for the eligible women who were left out, the government is taking important steps towards social inclusion, which will benefit women of rural and economically weaker sections. What is Mahtari Vandan Yojana? Let us tell you that Mahtari Vandan Yojana is an important social security initiative of the Chhattisgarh government, which aims to economically empower the women of the state. Under this scheme, financial assistance of Rs 1,000 per month is provided to women. This amount is transferred directly to the bank accounts of the beneficiary women, ensuring both transparency and convenience. Surendra //

After Operation Sindoor, more than 2,000 illegal immigrants were sent back to Bangladesh

New Delhi, More than 2,000 illegal migrants have been deported to Bangladesh since the Indian Army launched Operation Sindoor against terror camps in Pakistan on May 7. According to reports, most of the migrants who have returned to their country across the border have taken this decision on their own, the reason for which is said to be fear of action. Illegal Bangladeshis have been deported after verification of their documents. According to the report, the concerned officials say that although this is a continuous process, but it has gained momentum after Operation Sindoor. This initiative started first in Gujarat, after which people also started returning from Delhi, Haryana, Rajasthan and Maharashtra. People are being sent back from the Bangladesh border in Tripura,

Meghalaya and Assam. The states are also cooperating in this, regarding which the instructions of the Home Ministry are also clear. According to the report, illegal immigrants are being brought to the border from various states by Indian Air Force planes and are being handed over to the Border Security Force. After keeping them in temporary camps here, they are sent back to their country after giving them some Bangladeshi currency and food. There is no resistance seen among the people caught because they are afraid of going to detention centers. Border Guards Bangladesh is also cooperating.